डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 97 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 16 मार्च 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत का विवादित बयान: पुलिस अफसरों को दिया निर्देश – 'बजरी के ट्रैक्टर मत पकड़ना'

ब्यावर (रॉयल पत्रिका)। कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत के एक बयान ने सियासी भूचाल ला दिया है। उन्होंने पुलिस अफसरों को अवैध बजरी परिवहन पर नरम रुख अपनाने की सार्वजनिक हिदायत दी है। मंत्री ने डीएसपी और सीआई की मौजूदगी में मंच से यह बयान दिया कि बजरी के ट्रैक्टर मत पकड़ना, जिससे पुलिस महकमे में हलचल मच गई है।

मंत्री ने कहा - 'सवा लाख की रसीद मुश्किल से भरी जाती है'

होलिका दहन समारोह के दौरान जैतारण पहुंचे मंत्री गहलोत ने कहा कि मैंने पहले ही पुलिस अधिकारियों से कह दिया था कि ट्रैक्टर मत पकड़ना। आप लोग थोड़ी हिम्मत रखना। उन्होंने मजदूरों की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि सवा लाख रुपए की रसीद बहुत मुश्किल से भरी जाती है। एक ट्रैक्टर के पीछे मुश्किल से 200 से 250 रुपए की मजदूरी मिलती है, और कुल मिलाकर 500-600 रुपए की ही कमाई होती है।

मंत्री ने आगे कहा, जैतारण में कोई भी जाति-धर्म का हो, जो भी काम करता हो, उसे पूरी ईमानदारी से ऐसा काम करना चाहिए कि जैतारण का नाम खराब न हो।

सियासी हलकों में मचा बवाल, नेता प्रतिपक्ष ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

मंत्री के बयान के बाद विपक्ष ने सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने एक वीडियो जारी कर भाजपा सरकार पर अवैध खनन को संरक्षण देने का आरोप लगाया है।

नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री से पूछा सीधा सवाल

टीकाराम जूली ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सीधा सवाल किया –

"क्या आपको बजरी की इन अवैध गतिविधियों की जानकारी है, या फिर यह सब आपकी सहमति से हो रहा है? इस पर आपको जवाब देना ही होगा।"

मंत्री ने नहीं दिया जवाब, कई बार कॉल करने पर भी फोन रिसीव नहीं किया

जब भास्कर रिपोर्टर ने कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत से उनका पक्ष जानने के लिए कई बार संपर्क किया, तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। इस पर विपक्ष ने और तीखी प्रतिक्रिया दी है।

जूली ने कहा कि मंत्री अविनाश गहलोत ने पहले से ही अपने लोगों को अवैध बजरी खनन की खुली छूट दे रखी है। जैतारण क्षेत्र में बजरी का अवैध स्टॉक किया जा रहा है, जिससे डंपर-ट्रेलर भरवाने का काम तेजी से चल रहा है।

अवैध बजरी खनन पर सरकार के नरम रुख पर सवाल

यह पहली बार नहीं है जब अवैध बजरी खनन को लेकर राजस्थान सरकार सवालों के घेरे में आई हो।

मंत्री के इस बयान से साफ हो गया है कि सरकार पुलिस प्रशासन पर दबाव डालकर अवैध बजरी कारोबार को संरक्षण दे रही है।

अब देखना यह होगा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाते हैं और सरकार इस विवादित बयान पर कैसे सफाई देती है।

आधी आबादी के बिना अधूरी विकास यात्रा, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएंगे: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य और देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। जब तक आधी आबादी (महिलाओं) को आत्मनिर्भर नहीं बनाया जाता, तब तक विकास की यात्रा अधूरी रहेगी। शक्ति वंदन महोत्सव में मुख्यमंत्री का संबोधन

मुख्यमंत्री शनिवार को जवाहर कला केंद्र में 'शक्ति वंदन - भारत के स्व का अभिनंदन महोत्सव' के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार के प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाओं और नीतियों पर कार्य कर रही है। उनका लक्ष्य महिलाओं को रोजगार, शिक्षा और सुरक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

राजस्थान दिवस अब हिंदू नववर्ष पर मनाया जाएगा

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि अब राजस्थान दिवस अंग्रेजी कैलेंडर की तारीख (30 मार्च) के बजाय, पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाएगा। यह निर्णय सनातन संस्कृति के उत्थान और परंपराओं के सम्मान को ध्यान में रखकर लिया गया है।

सरकार की प्रतिबद्धता

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राजस्थान सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों को और तेज करेगी। उन्होंने समाज से भी अपील की कि वे महिलाओंको हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

राजस्थान में पुलिसकर्मियों ने कहीं होली खेली, तो कहीं किया बहिष्कार – वेतन विसंगति के मुद्दे पर सरकार पर दबाव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में इस साल पुलिसकर्मियों की होली दो अलग-अलग रंगों में दिखी। कुछ जिलों में पुलिसकर्मियों ने होलिका दहन के अगले दिन पारंपरिक होली उत्सव में हिस्सा लिया, तो कई जगह वेतन विसंगति, डीपीसी (डिपार्टमेंटल प्रोमोशन कमेटी) और अन्य मांगों के चलते होली का बहिष्कार किया।

जयपुर, जोधपुर, उदयपुर सहित कई जिलों की पुलिस लाइन खाली पड़ी रही, जबकि कोटा, भरतपुर, पाली और सवाई माधोपुर में पुलिसकर्मियों ने अपने एसपी और अधिकारियों के साथ मिलकर होली खेली।

कहां दिखी होली की धूम, कहां रहा सन्नाटा?

-जहां पुलिसकर्मियों ने होली खेली:

कोटा: एसपी अमृता दुहन ने महिला जवानों के साथ डीजे की धुन पर जमकर डांस किया।

भरतपुर: एसपी मृदुल कच्छावा के साथ पुलिसकर्मियों ने होली खेली, लेकिन संख्या कम रही।

पाली: पुलिस जवानों ने फायर ब्रिगेड के साथ होली खेली।

-जहां पुलिसकर्मियों ने बहिष्कार किया:

जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, श्रीगंगानगर और अजमेर: पुलिस लाइन पूरी तरह खाली रही।

अजमेर पुलिस लाइन में जवानों ने सड़क पर गुलाल से 'होली बहिष्कार' लिख दिया।

उदयपुर पुलिस लाइन में डीजे और साउंड सिस्टम लगाया गया था, लेकिन जवानों के नहीं आने से उसे वापस भेज दिया गया।

भीलवाड़ा: पुलिस लाइन ग्राउंड में एसपी, एडिशनल एसपी और अन्य अधिकारी पहुंचे, लेकिन जवानों ने कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया।

पुलिसकर्मियों के बहिष्कार की वजहें

वेतन विसंगति – कॉन्स्टेबल से इंस्पेक्टर तक वेतन असमानता का मुद्दा बना हुआ है।

डीपीसी में देरी – कई पुलिसकर्मियों के प्रमोशन लटके हुए हैं, जिससे वे नाराज हैं।

सरकारी अनदेखी – पुलिसकर्मियों का कहना है कि उनकी मांगों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा।

-नागरिक सुरक्षा समन्वय समिति के अध्यक्ष जयप्रकाश कुमावत ने कहा कि सरकार को जल्द से जल्द पुलिस की लंबित मांगों को पूरा करना चाहिए।

अब क्या होगा?

सरकार पुलिसकर्मियों से बातचीत कर समाधान निकालने की कोशिश करेगी।

अगर मांगें पूरी नहीं हुईं, तो आने वाले दिनों में पुलिसकर्मी बड़े स्तर पर प्रदर्शन कर सकते हैं।

इस मुद्दे के कारण सरकार और विपक्ष के बीच सियासी बयानबाज़ी और तेज़ होने की संभावना है।

अब देखना होगा कि सरकार इस पर कब तक और कैसे प्रतिक्रिया देती है।

पुलिसकर्मियों के बहिष्कार पर सियासी बयानबाज़ी

-किरोड़ी लाल मीणा (कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार)

"पुलिसकर्मी होली पूरे उल्लास से मनाएं। उनकी सभी मांगें मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जाएंगी और पूरा कराया जाएगा।"

पुलिसकर्मियों से बहिष्कार खत्म करने और पर्व मनाने की अपील की।

-अशोक गहलोत (पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान)

"कल पुलिसकर्मी प्रदेश में शांतिपूर्वक होली के आयोजन में सहयोग कर रहे थे, और आज बहिष्कार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए और सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।"

उन्होंने पुलिसकर्मियों से पुनर्विचार करने और अपने साथियों के साथ होली मनाने की अपील की।

-जोगाराम पटेल (कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार)

"गहलोत को यह कहने का अधिकार नहीं, उनके कार्यकाल में यह मुद्दे क्यों नहीं सुलझाए गए?"

सरकार पुलिसकर्मियों की मांगों पर सकारात्मक विचार करेगी और समाधान निकालेगी।

पीएम आवास योजना के तहत बने घर अब अवैध घोषित, 150 से अधिक परिवारों पर तोड़फोड़ की तलवार

भरतपुर (रॉयल पत्रिका)। भरतपुर के विजय नगर, देव नगर और जसवंत नगर में रहने वाले 150 से अधिक परिवारों की रातों की नींद उड़ चुकी है। भरतपुर विकास प्राधिकरण (BDA) ने इन घरों को अवैध घोषित कर 7 दिनों में हटाने के लिए नोटिस जारी किया था, जिसकी समयसीमा अब समाप्त हो चुकी है। प्रशासन कभी भी कार्रवाई कर सकता है, जिससे क्षेत्र में दहशत और गहरा आक्रोश है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इनमें कई ऐसे परिवार भी हैं, जिन्हें हाल ही में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'प्रधानमंत्री आवास योजना' (PMAY) के तहत आर्थिक सहायता दी थी। अब उन्हीं घरों को अवैध करार देकर तोड़ने का आदेश जारी कर दिया गया है।

महिलाओं की आंखों में आंसू, होली भी नहीं मनी

प्रशासन की इस कार्रवाई से लोग सदमे में हैं, महिलाओं के आंसू थम नहीं रहे हैं। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि लोगों ने इस बार होली भी नहीं मनाई। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर उनके घरों को गिराया गया, तो वे आत्महत्या करने पर मजबूर होंगे।

सुनीता देवी, जो उन 10-12 महिलाओं में से एक हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर बुलाकर 30,000 रुपये का चेक सौंपा था, अब प्रशासन उनके घर को ही अवैध बताकर तोड़ने की तैयारी कर रहा है।

राधा देवी ने कहा, "हमने मेहनत-मजदूरी कर यह जमीन खरीदी थी। इसकी रजिस्ट्री भी कराई थी। अब अधिकारी कह रहे हैं कि हमारे घर अवैध हैं। अगर यह अवैध था, तो सरकार ने हमें मकान बनाने के लिए पैसे क्यों दिए?"

27 फरवरी को जारी हुआ था नोटिस, अब किसी भी समय हो सकती है तोड़फोड़

भरतपुर विकास प्राधिकरण (BDA) ने 27 फरवरी को इन परिवारों को नोटिस जारी किए थे, जिसमें कहा गया था कि

योजना नंबर 13 के ई-ब्लॉक में वर्तमान में खसरा नंबर 232 में नया निर्माण किया जा रहा है, जो योजना का हिस्सा है।

अन्य खसरा नंबरों 299, 230, 231, 255/544, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 279, 268, 269, 270 आदि में अतिक्रमण कर निर्माण किया गया है।

नोटिस में 7 दिनों के अंदर घर खुद हटाने के आदेश दिए गए थे। अब यह समयसीमा समाप्त हो गई है, जिससे किसी भी समय प्रशासन अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर सकता है।

अब क्या करेंगे प्रभावित परिवार?

स्थानीय लोगों ने कहा कि कोई भी अधिकारी या नेता उनकी बात नहीं सुन रहा है। अब वे कानूनी लड़ाई लड़ने की तैयारी कर रहे हैं और कोर्ट जाने का रास्ता अपनाने का फैसला किया है।

प्रशासन की यह कार्रवाई सवालों के घेरे में है –

अगर ये घर अवैध थे, तो सरकार ने 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत धनराशि क्यों दी?

अगर ये मकान अब अवैध हो गए हैं, तो इसका दोष प्रशासन की लापरवाही को क्यों नहीं दिया जा रहा?

क्या सरकार अपने ही फैसलों को नकार रही है?

अब देखना होगा कि सरकार इस पर क्या प्रतिक्रिया देती है और क्या इन 150 से ज्यादा परिवारों को न्याय मिल पाएगा।

पंजाब में AAP सरकार के 3 साल पूरे, चुनावी वादों पर उठे सवाल

चंडीगढ़ (रॉयल पत्रिका)। 16 मार्च को पंजाब की आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार के तीन साल पूरे हो गए। 2022 के विधानसभा चुनाव में AAP ने 117 में से 92 सीटें जीतकर धमाकेदार जीत दर्ज की थी, जिसके बाद भगवंत मान ने राज्य के पहले AAP मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

3 साल, लेकिन क्या वादे पूरे हुए?

चुनाव प्रचार के दौरान AAP ने कई गारंटियां दी थीं, जिनमें शामिल थे:

-मुफ्त बिजली

-नौकरियां और भ्रष्टाचार मुक्ति

-नशा खत्म करने के उपाय

-शिक्षा और स्वास्थ्य सुधार

हालांकि, इन वादों में से कई अभी भी अधूरे हैं, जिनमें सबसे बड़ा मुद्दा 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को हर महीने ₹1000 देने की गारंटी है।

आने वाले 2 साल चुनौती भरे

AAP सरकार के पास अब सिर्फ दो साल बचे हैं, और यदि वह अपने वादे पूरे नहीं कर पाई, तो इसका असर 2027 के विधानसभा चुनावों पर पड़ सकता है। अब देखना होगा कि भगवंत मान सरकार जनता को संतुष्ट करने के लिए कौन-कौन से बड़े फैसले लेती है।

मऊगंज में पुलिस टीम पर हमला, ASI की हत्या – तहसीलदार के हाथ-पैर तोड़े, टीआई समेत 10 घायल

मऊगंज (रॉयल पत्रिका)। मध्यप्रदेश के मऊगंज जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के गड़रा गांव में पुलिस टीम और प्रशासनिक अधिकारियों पर जानलेवा हमला हुआ। आदिवासी समुदाय के हमले में ASI रामगोविंद गौतम की मौत हो गई, जबकि थाना प्रभारी (TI) संदीप भारती समेत 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना कैसे हुई?

आदिवासी परिवार ने सनी द्विवेदी नाम के युवक को बंधक बनाकर पीटा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक को छुड़ाने पहुंची पुलिस टीम पर आदिवासियों ने लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया।

TI संदीप भारती के सिर में गहरी चोटें आईं, तहसीलदार कुमारे लाल पनका के हाथ-पैर तोड़ दिए गए।

महिला SDOP अंकिता शूल्या और SI आरती वर्मा ने खुद को एक कमरे में बंद कर जान बचाई।

पुलिस ने हालात को काबू में करने के लिए फायरिंग की और बंधक पुलिसकर्मियों को बाहर निकाला।

हमले में कौन-कौन घायल?

TI संदीप भारती (सिर में गंभीर चोट)

हनुमना तहसीलदार कुमारे लाल पनका (हाथ-पैर फ्रैक्चर)

ASI जवाहर सिंह यादव

राम केवट, राम लखन मिश्रा (रीवा रेफर)

विकास पांडेय, प्रीति यादव, रामवचन यादव, देववती सिंह, बृहस्पति पटेल (सिविल अस्पताल, मऊगंज में भर्ती)

कैसे भड़का विवाद?

यह विवाद एक पुराने सड़क हादसे से जुड़ा है।

दो महीने पहले अशोक आदिवासी नामक युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हुई थी।

उसके परिवारवालों का आरोप था कि यह हत्या थी, जिसे सनी द्विवेदी ने अंजाम दिया।

शनिवार को अशोक के परिजनों और आदिवासी समुदाय ने सनी द्विवेदी को पकड़कर बुरी तरह पीटा, जिससे उसकी भी मौत हो गई।

पुलिस जब उसे छुड़ाने पहुंची, तो पूरे गांव ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया।

पुलिस प्रशासन की कार्रवाई

गांव में धारा 163 (पहले धारा 144) लागू

पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई गई

दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया

मऊगंज कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने कहा कि स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, लेकिन अब नियंत्रण में है।

ASI रामगोविंद गौतम की शहादत

मृतक ASI रामगोविंद गौतम 25वीं बटालियन, भोपाल में तैनात थे और 8 महीने बाद रिटायर होने वाले थे। उनकी मौत से पूरे पुलिस महकमे में शोक की लहर है।

अब सवाल ये उठता है:

-अगर अशोक की मौत दुर्घटना थी, तो पुलिस रिपोर्ट को क्यों नकारा गया?

-पुलिस पर इतना बड़ा हमला सुरक्षा व्यवस्था की नाकामी नहीं दर्शाता?

-अब तक सिर्फ 2 लोगों को हिरासत में लिया गया है, क्या यह पर्याप्त है?

अब देखना होगा कि सरकार और पुलिस प्रशासन इस मामले में क्या ठोस कदम उठाते हैं।

वडोदरा में 8 को 120 की स्पीड से टक्कर मारी

गुजरात (रॉयल पत्रिका) । वडोदरा में तेज रफ्तार कार ने 3 टू-व्हीलरों को पीछे से टक्कर मारी। हादसे में 37 साल की महिला हेमाली पटेल की मौत हो गई। 7 अन्य घायल हैं, इनमें एक बच्चा भी शामिल है। घटना 13 मार्च की रात 12.30 बजे करेलीबाग इलाके में मुक्तानंद सर्किल के पास हुई।

पूरा हादसा CCTV में कैद हुआ। 100-120 KMPH की रफ्तार में चल रही कार ने अपने आगे चल रहे वाहनों को टक्कर मारी। हेमाली को कई फीट तक घसीटा। इसके बाद कार रुक गई। मौके पर मौजूद लोग कार के पास पहुंचे और वीडियो बनाने लगे। क्षतिग्रस्त हुई कार में 2 युवक सवार थे।

वीडियो में नजर आ रहा है कि कार से निकला एक युवक अपना मुंह छिपाते हुए कार चला रहे युवक की ओर इशारा करता है...कहता है- मैंने कुछ नहीं किया, उसने किया। कार चला रहा युवक बाहर निकलते है जोरों से चिल्लाता है- Another Round (एक और चक्कर)...! निकिता-निकिता, ओम नम शिवाय...!

पुलिस ने आरोपी कार चालक रक्षित रवीश चौरसिया (20) और उसके बगल में बैठे प्रांशु चौहान को गिरफ्तार किया है। दोनों लॉ स्टूडेंट्स हैं। रक्षित MS यूनिवर्सिटी और प्रांशु पारुल यूनिवर्सिटी का छात्र है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

धर्मगुरु से जनप्रतिनिधि बनने तक

राजनीति और धर्म का संतुलन सदियों से एक संवेदनशील विषय रहा है। जब कोई संत, महंत या धार्मिक गुरु राजनीति में प्रवेश करता है, तो उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे सभी धर्मों और समुदायों के प्रति समान दृष्टिकोण रखें। लेकिन जब कोई जनप्रतिनिधि अपनी व्यक्तिगत धार्मिक मान्यताओं या असहजताओं को सार्वजनिक मंच से ज़ाहिर करता है, तो यह संवेदनशीलता और तटस्थता पर प्रश्नचिह्न लगा देता है।

हाल ही में हवामहल के विधायक बालमुकुंदाचार्य ने पांच टाइम के लाउडस्पीकर को "भारी समस्या" बताते हुए सिर दर्द और माइग्रेन जैसी तकलीफों का हवाला दिया। उन्होंने वकीलों के एक मंच से इसे एक कानूनी "मुद्दा" बताते हुए समाधान की मांग की। हालांकि ध्वनि प्रदूषण एक गंभीर समस्या है, लेकिन इसे किसी एक समुदाय विशेष से जोड़कर देखना क्या उचित है?

क्या ध्वनि प्रदूषण सिर्फ एकतरफा समस्या है?

विधायक बालमुकुंदाचार्य जिस ध्वनि प्रदूषण की बात कर रहे हैं, वह केवल मस्जिदों से आने वाले अज़ान के लाउडस्पीकर तक सीमित नहीं है। यह समस्या शादी-ब्याह, धार्मिक जुलूस, मंदिरों में होने वाले जागरण, तेज़ आवाज़ में बजते डीजे और चुनावी प्रचार रथों से भी जुड़ी है। क्या विधायक महोदय ने कभी जागरण, भजन संध्या, मंदिरों में घंटे-घड़ियाल बजने या अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान होने वाले ध्वनि प्रदूषण पर सवाल उठाया?

क्या यह समस्या सिर्फ़ तब महसूस होती है जब यह किसी एक धर्म विशेष से जुड़ी हो?

जनप्रतिनिधि की भूमिका: समाधान या भेदभाव?

एक जनप्रतिनिधि का काम समस्या का समाधान निकालना होता है, न कि उसे राजनीतिक या धार्मिक चश्मे से देखना। अगर लाउडस्पीकर की आवाज़ से सच में आमजन को परेशानी होती है, तो इसे पूरे समाज की समस्या मानते हुए एक समान नियम लागू करने की बात होनी चाहिए।

क्या विधायक महोदय को यह नहीं सोचना चाहिए था कि उनकी बात से एक वर्ग विशेष को निशाने पर लेने का संदेश जा सकता है? क्या यह बेहतर नहीं होता कि वे ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए सभी धर्मों, आयोजनों और सामाजिक गतिविधियों पर एक समान नियम लागू करने की मांग करते?

iPhone यूज़र्स से ज्यादा किराया वसूलने का मामला: क्या कंपनियां उपभोक्ताओं के साथ भेदभाव कर रही हैं?

तकनीक के बढ़ते प्रभाव ने हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को जितना सरल बनाया है, उतना ही डायनमिक प्राइसिंग और डेटा विश्लेषण के जरिए भेदभाव को भी जन्म दिया है। हाल ही में iPhone और एंड्रॉयड यूजर्स से अलग-अलग किराया वसूलने का मामला सामने आया।

यह सिर्फ कैब सेवाओं तक ही सीमित नहीं, बल्कि ऑनलाइन शॉपिंग और डिजिटल सब्सक्रिप्शन में भी देखा गया है। ओला-उबर जैसी कंपनियों पर अब सरकार की नजरें टेढ़ी हो गई हैं, क्योंकि उपभोक्ताओं को यह जानने का पूरा अधिकार है कि उनके साथ ऐसा भेदभाव क्यों किया जा रहा है।

क्या सच में iPhone यूजर्स से ज्यादा किराया लिया जा रहा है?

हाल ही में LinkedIn यूजर निराली पारेख और X (ट्विटर) यूजर सुधीर ने यह दावा किया कि कैब कंपनियां iPhone यूजर्स से अधिक किराया वसूल रही हैं। उन्होंने सबूत के तौर पर स्क्रीनशॉट भी साझा किए। इन पोस्ट्स पर हजारों लोगों की प्रतिक्रियाएं आईं, जिनमें से कई लोगों ने ऐसा अनुभव होने की पुष्टि की।

इससे पहले Zepto और Flipkart जैसी कंपनियों पर भी एंड्रॉयड और iPhone यूजर्स के लिए अलग-अलग कीमतें दिखाने का आरोप लगा था। उदाहरण के तौर पर:

मोकोबारा ब्रांड का एक सूटकेस एंड्रॉयड पर ₹4,119 और iPhone पर ₹4,799 में लिस्टेड था।

Zepto पर अंगूर की कीमत एंड्रॉयड पर ₹65, जबकि iPhone पर ₹146 थी।

अब सवाल यह उठता है कि आखिर कंपनियां यह भेदभाव कर कैसे रही हैं और इसका क्या आधार है?

कैसे होती है डायनमिक प्राइसिंग?

तकनीकी विशेषज्ञों के मुताबिक, कंपनियां मशीन लर्निंग और डायनमिक प्राइसिंग एल्गोरिदम का इस्तेमाल करती हैं।

यह एल्गोरिदम विभिन्न फैक्टर्स के आधार पर कीमत तय करता है, जिनमें शामिल हैं:

यूजर का फोन मॉडल और ऑपरेटिंग सिस्टम – कंपनियां iPhone यूजर्स को ज्यादा खर्च करने में सक्षम ग्राहक मानती हैं।

डिमांड और सप्लाई – अगर किसी खास समय पर ज्यादा लोग कैब बुक कर रहे हैं, तो कीमतें बढ़ जाती हैं।

लोकेशन और ट्रैफिक डेटा – अलग-अलग इलाकों में किराए का अंतर हो सकता है।

यूजर का खर्च करने का पैटर्न – अगर कोई ग्राहक बार-बार कैब बुक करता है, तो सिस्टम उसे 'हाई-वैल्यू' यूजर मान सकता है।

तकनीकी विशेषज्ञ सी अंबिगापथी के अनुसार,

"यह कंपनियों के लिए बच्चों के खेल जैसा है। वे डायनमिक प्राइसिंग एल्गोरिदम के नाम पर आसानी से कीमतें बदल सकती हैं।"

हालांकि, यह एल्गोरिदम यदि उपभोक्ताओं के साथ जानबूझकर भेदभाव कर रहा है, तो यह एक गंभीर मुद्दा बन सकता है।

सरकार ने ओला-उबर से जवाब मांगा, आगे क्या होगा?

उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने 23 जनवरी को बताया कि CCPA (सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी) ने ओला और उबर को नोटिस जारी किया है। उन्हें अपनी प्राइसिंग पॉलिसी और iPhone-एंड्रॉयड में किराए के अंतर की वजह स्पष्ट करनी होगी।

अगर कंपनियां दोषी पाई जाती हैं, तो उन्हें तीन तरह की सजा मिल सकती है:

भारी जुर्माना लगाया जा सकता है।

एक समान किराया नीति लागू करने के आदेश दिए जा सकते हैं।

यदि बड़ा घोटाला पाया गया, तो उनकी सेवाओं पर अस्थायी रोक लग सकती है।

इसके अलावा, कस्टमर्स कंज्यूमर फोरम में जाकर हर्जाने की मांग भी कर सकते हैं।

क्या यह उपभोक्ताओं के साथ धोखा है?

यदि कंपनियां जानबूझकर iPhone यूजर्स को 'अमीर' मानकर ज्यादा पैसे वसूल रही हैं, तो यह उपभोक्ता अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। हर ग्राहक को समान सेवा और समान कीमत मिलने का अधिकार है।

अब सवाल यह है कि:

-क्या यह तकनीकी गड़बड़ी है या जानबूझकर किया गया भेदभाव?

-क्या सरकार इस पर कोई ठोस कदम उठाएगी, या फिर यह मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा?

-यदि कंपनियां उपभोक्ताओं की जानकारी के बिना अलग-अलग कीमत वसूल रही हैं, तो क्या यह **'डिजिटल भेदभाव' नहीं है?**

अब सरकार की जांच के नतीजे और आगे की कार्रवाई पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

सारा संसार

भारत के प्रसिद्ध गणेश मंदिर में से एक गणपतिपुले मंदिर महाराष्ट्र राज्य में रत्नागिरी की एक चोटी पर स्थित है। यहां गणेशजी की मूर्ति पूर्व की बजाय पश्चिम की ओर है जिस कारण फरवरी और नवंबर के महीनों में सूरज की रोशनी सीधे गणेश जी की मूर्ति पर पड़ती है। स्थानीय लोगों का यह भी मानना है कि भगवान गणेश की मूर्ति को किसी ने नहीं रखा है, बल्कि स्वयं प्रकट हुई थी।

मन में निर्भयता लाती है मां दुर्गा की भक्ति साधना

संकलित
दर्शन

वैसे तो हिंदी वर्षानुसार वर्षा, शरद, शिशिर, हेमंत, वसंत व ग्रीष्म- छह ऋतुएं होती हैं, लेकिन मुख्य रूप से दो ही प्रधान हैं- सर्दी व गर्मी। इन दोनों प्रधान ऋतुओं की संधि बेला को नवरात्रि की संज्ञा दी गई है। दिन और रात्रि के मिलन को संध्याकाल कहते हैं। इस महत्वपूर्ण समय को ईश्वर की आराधना, भजन, संध्या, वंदन व आध्यात्मिक साधना में लगाया जाना चाहिए, क्योंकि यह समय अत्याधिक लाभदायी और कम श्रम से अधिक फल देने वाला माना गया है। संध्या काल को पुण्य पर्व भी कहा गया है। आरोग्य शास्त्र के विद्वानों को विदित है कि आश्विन व चैत्र मास में जो सूक्ष्म परिवर्तन होता है, उसका प्रभाव शरीर पर कितनी अधिक मात्रा में पड़ता है। यह बदलाव स्वास्थ्य पर कई प्रकार से प्रभाव डालता है। अनेकानेक रोग, ज्वर, चेचक आदि मनुष्य पर हावी होने लगते हैं। वैद्य जानते हैं कि वमन, विरेचन, स्वेदन, वस्ति, रक्त मोक्षण आदि शरीर शोधन कार्यों के लिए आश्विन और चैत्र का महीना ही सर्वाधिक उपयुक्त होता है। ऐसे समय में ही साधना का महत्वपूर्ण पर्व आता है। हिंदू परंपरा के अनुसार, भारतीय पर्व और त्योहारों में नवरात्रि पर्व का अत्यधिक महत्व है। यह वर्ष में दो बार आता है। दुर्गावतरण की पावन कथा भी इसके साथ जुड़ी हुई है। देवत्व के संयोग से असुर निकंदिनी महाशक्ति के उद्भव का महत्व हर युग में रहा है। युग की भयावह समस्याओं से त्राण पाने के लिए युग शक्ति के उद्भव की कामना हर मन में उठती है।

हे श्री कृष्ण! तुम सर्वज्ञ हो

संकलित
प्रेरणा

एक वृद्ध महिला एक सब्जी की दुकान पर जाती है, उसके पास सब्जी खरीदने के पैसे नहीं होते है। वो दुकानदार से प्रार्थना करती है कि उसे सब्जी उधार दे दे पर दुकानदार मना कर देता है। उसके बार-बार आग्रह करने पर दुकानदार खीज कर कहता है, तुम्हारे पास कुछ ऐसा है, जिसकी कोई कीमत हो, तो उसे इस तराजू पर रख दो, मैं उसके वजन के बराबर सब्जी तुम्हे दे दूंगा। वृद्ध महिला कुछ देर सोच में पड़ जाती है। क्योंकि उसके पास ऐसा कुछ भी नहीं था। कुछ देर सोचने के बाद वह, एक मुड़ा-तुड़ा कागज का टुकड़ा निकालती है और उस पर कुछ लिख कर तराजू पर रख देती है। दुकानदार ये देख कर हंसने लगता है। फिर भी वह थोड़ी सब्जी उठाकर तराजू पर रखता है।आश्चर्य..!!! कागज वाला पलड़ा नीचे रहता है और सब्जी वाला ऊपर उठ जाता है। इस तरह वो और सब्जी रखता जाता है पर कागज वाला पलड़ा नीचे नहीं होता। तंग आकर दुकानदार उस कागज को उठा कर पढता है और हैरान रह जाता है। कागज पर लिखा था, हे श्री कृष्ण! तुम सर्वज्ञ हो, अब सब कुछ तुम्हारे हाथ में है। दुकानदार को अपनी आँखों पर यकीन नहीं हो रहा था। वो उतनी सब्जी वृद्ध महिला को दे देता है। पास खड़ा एक अन्य ग्राहक दुकानदार को समझाता है, कि दोस्त, आश्चर्य मत करो। केवल श्री कृष्ण ही जानते हैं की प्रार्थना का क्या मोल होता है। वास्तव में प्रार्थना में बहुत शक्ति होती है। चाहे वो एक घंटे की हो या एक मिनट की। यदि सच्चे मन से की जाये, तो ईश्वर अवश्य सहायता करते हैं।

पर्व

सुरेश हिन्दुस्थानी

होली के संदेश को समझें

भारत भूमि के संस्कार ऐसी अनमोल विरासत है, जो सदियों से एक परंपरा के रूप में प्रचलित है। जो समाज में ऐक्य भाव की स्थापना करने का मार्ग प्रशस्त करता है। वर्तमान में जहां परिवार टूट रहे हैं, वहीं समाज में अलगाव की भावना भी विकसित होती जा रही है। इस भाव को समाप्त करने के लिए हमारे त्योहार पथ प्रदर्शक बनकर आते हैं, लेकिन विसंगति यह है कि हम इन त्योहारों को भूलते जा रहे हैं। त्योहार की परिपाटी को हमने अपनी सुविधा के अनुसार बदल दिया है। ऐसे में यही कहा जा सकता है कि हम अपनी जड़ों से या तो कट चुके हैं या फिर कटने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। जो व्यक्ति या समाज अपनी जड़ों से कट जाता है निश्चित ही पतन की ओर ही जाता है। त्योहार हम सभी को जड़ों से जुड़े रहने का संदेश देते हैं। होली के त्योहार को पूरा देश मनाता है। इसका सांस्कृतिक आधार देखा जाए तो यह परस्पर मनमुटाव को समाप्त करने का एक माध्यम है। रंगों का पर्व होली सामंजस्य को बढ़ावा देता है। जिस प्रकार से होली के अवसर पर सभी रंग आपस में घुल मिल जाते हैं, उसी प्रकार व्यक्तियों के मिलने की भी कल्पना की गई है। होली पर दुश्मनों के भी भाव बदल जाते हैं, और सारे देश में दोस्ती का वातावरण निर्मित होता दिखाई देता है। वर्तमान में होली के बारे में हम कहते हैं कि पहले जैसी होली अब नहीं होती। यह सत्य है कि इसमें परिवर्तन आया है, लेकिन क्या हमने सोचा कि ऐसा परिवर्तन आने के पीछे कारण क्या हैं। वास्तव में इसके लिए हम ही दोषी हैं। पांच दिन के इस त्योहार की मस्ती को हमने समेट कर रख दिया है और मात्र एक या दो घंटे में पूरा त्योहार मना लिया जाता है। ऐसे में मात्र एक घंटे में होली का वह भाईचारे वाला स्वरूप कैसे दिखाई देगा। हम व्यक्ति केंद्रित होकर त्योहार मनाते हैं, जबकि भारतीय त्योहार का स्वरूप व्यक्ति केंद्रित न होकर समाज केंद्रित है। होली के त्योहार को इसी रूप में मनाएंगे तब ही हमें वही होली दिखेगी, जो वास्तविक है। वर्तमान में होली पर कई लोग दुश्मनी मिटाना तो दूर, दुश्मनी पालने की कवायद करते दिखाई देते हैं। पिछले कई वर्षों से होली पर लड़ाई झगड़े होते दिखाई देते हैं। इससे सवाल यह उठता है कि क्या हम होली को वास्तविक अर्थों में मनाने का मन बना पा रहे हैं। अगर नहीं तो तो हमें यह कहने का भी अधिकार भी नहीं है कि होली का स्वरूप पहले जैसा नहीं रहा। पौराणिक मान्यताओं के आधार पर होली के पावन पर्व का निष्कर्ष निकाला जाए तो यही परिलक्षित होता है कि जिसके मन में विकार होता है, उसे समाप्त करने का होली का त्योहार सबसे अच्छा अवसर है, अगर हमने अपने अंदर पैदा हुए विकार को समाप्त करने का प्रयास नहीं किया तो भगवान उस विकार को समाप्त करने का काम कर देंगे। हम जानते हैं कि भगवान नरसिंह ने राक्षस हिरणयकश्यप को इसलिए मार दिया कि उसके अंदर कई विकार समाहित हो गए थे। भक्त प्रहलाद ने कई बार चेताया भी, लेकिन उसने अपने अंदर के अहं को समाप्त नहीं किया। विकार को समाप्त करने का पर्व होली है। अगर होली पर हमने अपने अहं को नहीं छोड़ा तो फिर होली के मायने ही क्या है?

((लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

होली उत्सव

शिमला में गुरुवार को कॉलेज के छात्र होली मनाते हुए।

आज की पाती

असंगठित बल को संगठित करने की पहल

हमारे देश में संगठित क्षेत्र में औपचारिक रूप से पंजीकृत वो व्यवसाय आते हैं, जो श्रम कानूनों का पालन करते हैं, नौकरी की सुरक्षा और सामाजिक लाभ प्रदान करते हैं। जबकि असंगठित क्षेत्र में अनौपचारिक व्यवसाय शामिल हैं, जिनमें बहुत कम या कोई विनियमन नहीं है, अक्सर नौकरी की सुरक्षा, लाभ और कानूनी सुरक्षा का अभाव रहता है। असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2008 के अंतर्गत घरों में काम करने वाले श्रमिक, स्व-नियोजित श्रमिक या असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करने वाले श्रमिक असंगठित क्षेत्र के दायरे में आते हैं। संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए कई अधिनियम लागू किए जा चुके हैं। - *मनोज वर्मा, दुर्ग*

ट्रेंड

यूएन को अपडेट कर रहे

अपने कार्यकाल के पहले दिन से ही हमने संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली की मजबूती के लिए महत्वाकांक्षी सुधार एजेंडा शुरू किया। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए। हम 21वीं सदी के लिए संयुक्त राष्ट्र को अपडेट कर रहे हैं।

-एंटोनियो गुतारेस, यूएन महासचिव

बच्चों का भविष्य खतरे में

85 लाख बच्चों का भविष्य खतरे में-पेपर लीक युवाओं के लिए 'पद्मव्यूह' बन गया है। पेपर लीक मेहनती छात्रों से उनके परिश्रम का फल छीन लेता है। यह अगली पीढ़ी को गलत संदेश देता है कि बेईमानी, मेहनत से बेहतर हो सकती है, जो अस्वीकार्य है।

-राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष

सरकार पटरी से उतर चुकी

आम इंसान की जिंदगी में मरना ही लिखा है। कभी ट्रेन के डिब्बे में, कभी ट्रेन की पटरी पर, कभी प्लेटफार्म के भगदड़ में तो कभी कुंभ के भगदड़ में, ट्रेन भी पटरी से उतर चुकी है और मोदी की सरकार भी।

-संजय सिंह, आप नेता

सीखने के लिए काम करें

अमीर बनने के लिए सरल सुझाव- ऐसी संपति अर्जित करें जो आय उत्पन्न करे। अपनी आय से कम खर्च करें। केवल आय पर नहीं, धन निर्माण पर ध्यान दें। वित्तीय बुद्धि बढ़ाएं। केवल पैसे के लिए नहीं, बल्कि सीखने के लिए काम करें।

-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

करंट अफेयर

नासा की अध्ययन के लिए नई अंतरिक्ष दूरबीन प्रक्षेपित

नासा की नवीनतम अंतरिक्ष दूरबीन को प्रक्षेपित किया गया जो पूरे आकाश का अध्ययन करेगी। यह शुरुआत से लेकर अब तक करोड़ों आकाशगंगाओं और उनकी साझा ब्रह्मांडीय चमक (कॉस्मिक ग्लो) का व्यापक अध्ययन करेगी। स्पेसएक्स ने कैलिफोर्निया से स्फीरेक्स वेधशाला को प्रक्षेपित किया। सूर्य का अध्ययन करने के लिए सूटकेस के आकार के चार उपग्रह भी साथ में भेजे गए। कुल 48.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्फीरेक्स मिशन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि अरबों वर्षों में आकाशगंगाएं कैसे बनीं और विकसित हुईं तथा कैसे ब्रह्मांड का इतनी तेजी से विस्तार हुआ। स्फीरेक्स उन तारों के बीच बर्फीले बादलों में पानी और जीवन के अन्य तत्वों की खोज करेगा जहां नए सौर मंडल उभर रहे हैं। 'कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' के मिशन के मुख्य वैज्ञानिक जेमी बॉक ने कहा कि ब्रह्मांडीय चमक ब्रह्मांड के इतिहास में अब तक जितना भी प्रकाश उत्सर्जित हुआ है, उसे अपने अंदर समेटे हुए है। उन्होंने कहा कि यह ब्रह्मांड को देखने का एक बहुत ही अलग तरीका है, जिससे वैज्ञानिकों को यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि अतीत में प्रकाश के कौन से स्रोत छूट गए थे।

ऑफ बीट

कसरत की थकान से उबरने में आइस बाथ है लोकप्रिय

पिछले कुछ साल में 'आइस बाथ' का चलन तेजी से बढ़ा है। दुनिया भर में खुद को स्वस्थ रखने वाले और व्यायाम करने वाले लोग इसे अपना रहे हैं, हालांकि पहले केवल एथलीट ही इसका उपयोग करते थे। 'आइस बाथ' का मतलब बर्फ के छोटे-छोटे टुकड़ों से भरे पानी में नहाना है। कसरत की थकान से उबरने के लिए 'आइस बाथ' आइस बाथ' लेने का मुख्य कारण मांसपेशियों में दर्द को कम करना और व्यायाम के बाद थकान से उबरना है। धावक, भारोत्तोलक और फुटबॉल खिलाड़ी सहित एथलीट आमतौर पर 'आइस बाथ' का उपयोग करते हैं। इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि 'आइस बाथ' लेने से कसरत के बाद होने वाली थकान को दूर किया जा सकता है। शोध से पता चला है कि गहन व्यायाम के तुरंत बाद 'आइस बाथ' लेने से अगले कुछ घंटे और दिनों में मांसपेशियों का दर्द कम हो सकता है। 'आइस बाथ' से मांसपेशियों की ताकत, मजबूती और लचीलेपन जैसी चीजों में मदद मिल सकती है। 'आइस बाथ' से व्यायाम के बाद होने वाली सूजन, मांसपेशियों की सूजन और मांसपेशियों की क्षति जैसी चीजों में सुधार हो सकता है। अगर आप ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें लगातार कई दिन तक तीव्र व्यायाम करना पड़ता है तो आपके लिए 'आइस बाथ' एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

रॉयल पत्रिका

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में पांच दिवसीय ध्रुवपद यात्रा फेस्टिवल

-कलाकारों ने दी होली की शुभकामनाएं
-17 मार्च से होगी सुरों की गूंज

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)।उस्ताद इमामुद्दीन खान डागर इंडियन म्यूजिक आर्ट एंड कल्चरल सोसायटी एवं कला साहित्य एवं संस्कृति विभाग व वेस्ट जोन कल्चरल सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय ध्रुवपद यात्रा फेस्टिवल आयोजित किया जाएगा। पांच दिवसीय फेस्टिवल की शुरुआत सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर 'आरआईसी' में शाम 6:30 से होगी। फेस्टिवल में पांच दिन तक लगातार देश विदेश के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। उस्ताद इमामुद्दीन खान डागर इंडियन म्यूजिक आर्ट एंड कल्चरल सोसायटी की प्रमुख शबाना डागर ने बताया कि फेस्टिवल में पहले दिन डॉ.गायत्री शर्मा, रूबी मुखर्जी और डागर बंधुओं का ध्रुवपद गायन होगा। दूसरे दिन सिमोन अफ्सरा का गायन, मुरली मोहना गोंडा का रुद्रवीणा वादन और पद्मश्री ऋत्विक सान्याल का ध्रुवपद गायन होगा। तीसरे दिन विदेशी कलाकार मैरी लाइन का वायलिन वादन और दानी गुंदेचा का ध्रुवपद गायन व पं.पुष्पराज कोष्टी का सुरबहार वादन होगा। चौथे दिन अकीको नेजो का गायन, डॉ.रिंकू लांबा का ध्रुवपद गायन और प्रशांत-निशांत का ध्रुवपद गायन होगा। फेस्टिवल के समापन दिल्ली के ध्रुवपद गायक पद्मश्री उस्ताद वासिफउद्दीन खां डागर का ध्रुवपद गायन होगा। इससे पहले सुनीता अमीन और निलॉय का ध्रुवपद गायन होगा।शबाना डागर ने कहा कि यह फेस्टिवल शास्त्रीय संगीत की ध्रुपद शैली की समृद्ध विरासत को संरक्षित और प्रचारित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। आयोजकों ने संगीत प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस सुरमयी आयोजन का आनंद लेने की अपील की है। इस अवसर पर ध्रुवपद यात्रा में आए सभी कलाकारों ने देश एवं प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएं दी

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता - मुख्यमंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सशक्त और विकसित देश-प्रदेश बनाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधी आबादी की भागीदारी के बिना विकास की यात्रा अधूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में भी शक्ति के लिए मां दुर्गा, धन के लिए मां लक्ष्मी और बुद्धि के लिए मां सरस्वती की उपासना करने की परम्परा रही है। शर्मा ने कहा कि यह शक्ति वंदन महोत्सव हमारे महिला सशक्तीकरण के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में शक्ति वंदन भारत के स्व का अभिनंदन महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने अपने जीवन और कार्यों से एक स्थायी विरासत छोड़ी है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महेश्वर में स्थानीय हथकरघा उद्योग का विकास कर दुनिया को महेश्वर साड़ी की सौगात दी। वे एक साहसी योद्धा सक्षम प्रशासक और सनातन संस्कृति की समर्पित संरक्षिका थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार भी वंदनीय और गौरवशाली सनातन संस्कृति के उत्थान के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में हमने राजस्थान दिवस भी अंग्रेजी तारीख की जगह हमारे पंचांग की तिथी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाये जाने का निर्णय लिया है।

प्रधानमंत्री की आधी आबादी की उन्नति और प्रगति की सोच—

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधी आबादी की उन्नति और प्रगति में विश्वास रखते हैं। यह महोत्सव प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और विलुप्त होती कलाओं को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश के आस्था केन्द्रों का तेजी से विकास हो रहा है। हमारे पौराणिक धार्मिक स्थलों को उनका दिव्य एवं भव्य रूप वापस लौटाकर सनातन संस्कृति का उत्थान किया जा रहा है। राज्य सरकार भी प्रदेश के आस्था स्थलों का पुनरूद्धार कार्य करवा रही है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य—

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के लिए तेजी से काम कर रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य है। हम राजीविका के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण देकर उनको स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए भी राज्य सरकार द्वारा कई कदम उठाए गए हैं। हाल ही में होली के पावन अवसर पर सरकार ने स्वयं सहायता समूहों की माताओं-बहनों द्वारा तैयार हर्बल गुलाल खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर तीन दिवसीय 'नारी शक्ति वंदन भारत के स्व का अभिनंदन' महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने शक्ति वंदन पुस्तक में उद्यमी महिलाओं के लिए संदेश लिखा। शर्मा ने जयपुर नगर निगम ग्रेटर द्वारा आयोजित देवी अहिल्याबाई होल्कर प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और प्रदर्शनी के रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल आधारित उत्पादों की सराहना की। इस अवसर पर नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने मुख्यमंत्री को अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा भेंट की। कार्यक्रम में जयपुर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा सहित जनप्रतिनिधिगण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला उद्यमी एवं बड़ी संख्या में अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

दिया कुमारी ने बस्सी के ग्राम हिंगोनिया स्थित गौ पुनर्वास केंद्र में पौधारोपण कर इको फ्रेंडली क्लब हाउस का किया शुभारंभ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गुरुवार को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बस्सी के ग्राम हिंगोनिया में कृष्ण बलराम सेवा ट्रस्ट और एच. जी. फाउंडेशन के सहयोग से गौ पुनर्वास केंद्र हिंगोनिया गौशाला में गौ माता की पूजा अर्चना कर हरा चारा खिलाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मंदिर में दर्शन कर भगवान भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक किया।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने गोवंशों के लिए पौधारोपण एवं इको फ्रेंडली क्लब हाउस का शुभारंभ किया। 4 टन की क्षमता वाली चारा मिश्रण मशीन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, तथा प्राकृतिक आवासीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बांस से बने प्राकृतिक आवासों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह ना केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि इससे पर्यटकों को गौशाला में प्राकृतिक तरीके से रहने का अनुभव भी मिलेगा, जिससे वे प्राकृतिक जीवनशैली और सतत विकास के महत्व को समझ सकेंगे। पर्यावरण स्थिरता की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम है, जो न केवल गोवंश के संरक्षण में मदद करेगा, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में भी योगदान देगा। ऐसे नवाचार हमें अपने आसपास के प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जागरूक करने में मदद करते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साथ ही गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। हाल में पेश किए गए राज्य बजट में गौमाता और पशुपालकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। प्रदेशभर में संचालित गौशालाओं को समय पर अनुदान दिया जा रहा हैं। ये सामाजिक सरोकार के कार्य हैं, जिसमें जनसहयोग भी बहुत जरुरी हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए उन्होंने का कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में भी देशवासियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।

उन्होंने कहा कि प्रकृति से सराबोर ये प्राकृतिक क्लब हाऊस ग्रामीण और अग्रो टूरिज्म का मुख्य हिस्सा बन सकते हैं, जिसके लिए पर्यटन विभाग हर संभव प्रयत्न करेगा।

जयपुर की खासाकोठी में हजारों की संख्या में विदेशी पर्यटकों ने जमकर खेली होली

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। धुलंडी (रंग उत्सव) के अवसर पर शुक्रवार को जयपुर में स्टेशन रोड स्थित होटल खासा कोठी परिसर में सुबह 09.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक हजारों की संख्या में विदेशी पर्यटकों ने पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित रंग उत्सव में खूब जमकर होली खेली और डांस किया।

जयपुर पर्यटक स्वागत केंद्र के उपनिदेशक उपेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि पर्यटन विभाग की ओर से विशेष रूप से विदेशी पर्यटकों के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उपेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि इस रंग उत्सव में लगभग तीन हजार विदेशी पर्यटकों ने राजस्थानी लोक कलाकारों द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर नाचते हुए सूखे रंगों से होली खेली। भारतीय परिधान कुरता पजामा पहनकर विदेशी पर्यटक होली खेलते हुए दिखाई दिए।

पर्यटन उपनिदेशक ने बताया कि इस अवसर पर कई विशेष गतिविधियाँ और प्रतियोगिताएँ भी आयोजित हुई जिनमें विदेशी पर्यटकों ने सहभागिता की। इसमें प्रमुख रूप से मटका दौड़ और साफा बाँधने की प्रतियोगिता में विदेशी पर्यटकों ने सहभागिता कर खूब लुफ़्त उठाया।

उन्होंने बताया कि उक्त आयोजन में रंगों से खेलने की व्यवस्था के साथ ही लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई जिससे राजस्थान की लोक संस्कृति साकार हुई। इस अवसर पर राजस्थान के लोक रंगों में सराबोर गीतों की बौछार हुई। रंगों की बौछार और देशी लोक गीतों की धमाल पर विदेशी पर्यटक खूब थिरके। रंगों के इस त्यौहार के प्रति विदेशी पर्यटकों में खासा उत्साह देखते ही बन रहा था। विदेशी पर्यटकों ने हैप्पी होली कहकर एक दूसरे को गुलाल लगाया और बधाईयां दी।

उल्लेखनीय है कि धुलंडी उत्सव (रंगों का त्योहार) पूरे भारत में होलिका दहन के एक दिन बाद मनाया जाता है और यह वसंत ऋतु की शुरुआत का प्रतीक है। इस खुशी के दिन पारंपरिक मिठाइयाँ और भोजन तैयार किए जाते हैं। बच्चे और बड़े सभी इस दिन रंगों और पानी से खेलते हैं और सभी मतभेद भूल जाते हैं।

'साइबर क्राइम व बचाव के उपाय' थीम पर हुई चर्चा, उपभोक्ता जागृति सप्ताह का शुभारंभ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर शनिवार को उपभोक्ता जागृति सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में कंज्यूमर केयर डायलॉग राज्य स्तरीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में "टिकाऊ जीवनशैली की ओर एक उचित बदलाव" और "साइबर क्राइम एवं बचाव के उपाय" विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए।

विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संदेश में प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि इस वर्ष की थीम "टिकाऊ जीवन शैली की ओर उचित बदलाव" अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि यह विषय हमें अपने उपभोग के तरीकों पर पुनर्विचार करने और अधिक जिम्मेदार उपभोक्ता बनने के लिए प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि टिकाऊ जीवन शैली केवल संसाधनों की बचत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सोच है, जो हमें जिम्मेदार उपभोक्ता बनने की सीख देती है। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम जिन वस्तुओं का उपभोग कर रहे हैं, वे पर्यावरण के लिए हानिकारक न हों और समाज के लिए न्यायसंगत हों।

उन्होंने कहा कि भारत की सनातन जीवनशैली और परंपराएं हमेशा से ही टिकाऊ विकास की राह पर चलने की प्रेरणा देती हैं। विश्व उपभोक्ता दिवस की यह थीम इसी दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। हमें कम संसाधनों में जीवन यापन करना सीखना होगा और धरती माता के संरक्षण की जिम्मेदारी उठानी होगी, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने सभी उपभोक्ताओं से आह्वान किया कि वे इस उपभोक्ता दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाएं और टिकाऊ जीवन शैली अपनाने की दिशा में सार्थक कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि यदि हम आज अपने उपभोग के तरीकों में बदलाव लाते हैं, तो भविष्य स्वस्थ और समृद्ध होगा।

इस अवसर पर उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने वीडियो संदेश के माध्यम से उपभोक्ताओं को जागरूक करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान से पूरे देश में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक नई चेतना आई है। उन्होंने कहा कि शुद्ध हवा और स्वस्थ पर्यावरण हमारे जीवन के लिए आवश्यक हैं। उपभोक्ताओं को चाहिए कि वे अपने जीवन में ऐसे प्रयास करें, जिससे न केवल उनका शरीर स्वस्थ रहे, बल्कि पर्यावरण भी स्वच्छ और संरक्षित बना रहे। साथ ही, उन्होंने उपभोक्ताओं से अपने अधिकारों के प्रति सतर्क और जागरूक रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के न्यायाधिपति देवेंद्र कच्छावा ने उपभोक्ताओं को सतर्क रहने और टिकाऊ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जागरूक उपभोक्ता ही अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है।

उन्होंने साइबर क्राइम से बचाव के लिए दो बैंक खातों के उपयोग की सलाह दी—

एक सैलरी अकाउंट और दूसरा ट्रांजैक्शन के लिए। उन्होंने कहा कि फेक कॉल्स और भ्रामक विज्ञापनों से सतर्क रहना आवश्यक है, क्योंकि ये उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकते हैं। इलायची, केसर, गोरेपन की क्रीम जैसे उत्पादों से जुड़े फेक एडवरटाइजमेंट पर विश्वास न करने की अपील की। साथ ही, आभूषण खरीदते समय हॉलमार्क निशान पर ध्यान देने की सलाह दी गई, ताकि उपभोक्ताओं को शुद्धता की गारंटी मिले।

संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे प्रमुख शासन सचिव, उपभोक्ता मामले विभाग सुबीर कुमार ने सतत विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए टिकाऊ और प्रमाणित उत्पादों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने उपभोक्ताओं को ऑनलाइन सेल और आकर्षक स्कीमों के लालच में न आने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक का कम से कम इस्तेमाल करें और कपड़े व कागज के थैले अपनाएं। उन्होंने प्राकृतिक रंगों, मिट्टी के दीयों और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर बल दिया।

उन्होंने CNG और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने और कार पूलिंग को प्रोत्साहित करने की सलाह दी। उन्होंने फास्ट फैशन की जगह टिकाऊ फैशन को अपनाने की जरूरत बताई।

उपभोक्ता जागृति सप्ताह के तहत होंगे विविध कार्यक्रम —

निदेशक पूनम प्रसाद सागर ने बताया कि 15 से 21 मार्च, 2025 तक उपभोक्ता जागृति सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न जागरूकता अभियानों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन कर उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों, कर्तव्यों और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जाएगी।

इस अवसर पर राज्य उपभोक्ता आयोग के पंजीयक अशोक कुमार शर्मा, भारतीय मानक ब्यूरो की कार्यकारिणी के सदस्य अनंत शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम, जयपुर) अनिल राव सहित अनेक विशेषज्ञ और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री निवास पर होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर होली का पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया। शर्मा ने इस दौरान बड़ी संख्या में आए आमजन से आत्मीय मुलाकात कर फूलों व प्राकृतिक रंगों से होली खेली। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह में लोक कलाकारों ने ब्रज की विभिन्न संस्कृतियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को होली के पर्व की बधाई देते हुए कहा कि रंगों का यह पर्व बेहद ही निराला है, हमें आपसी कटुता को भुलाते हुए एक-दूसरे को गले लगाने की सीख देता है। साथ ही, उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। शर्मा ने युवा, किसान, महिला और मजदूर सहित पूरे प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की धर्मपत्नी गीता शर्मा भी मौजूद रहीं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

राइजिंग राजस्थान एमओयू होल्डर्स को प्रत्यक्ष ही मिलेंगे रीको औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक भूखण्ड

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024" के संदर्भ में राज्य सरकार के साथ एमओयू निष्पादित करने वाले निवेशकों के लिए रीको द्वारा चिन्हित औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर औद्योगिक भूखंडों के प्रत्यक्ष आवंटन योजना जारी कर दी गई है। ऐसे उद्यमी जिन्होंने इस पॉलिसी के लागू होने की तिथि तक राज्य सरकार के साथ निवेश हेतु मैमोरेण्डम ऑफ अंडरस्टेडिंग (एमओयू) निष्पादित किया हो, वे इस योजना में आवेदन कर सकते हैं तथा ऑनलाइन आवेदन वाली दिनांक को, जिनकी राजस्थान के राजनिवेश पोर्टल पर भूमि आवंटन से संबंधित प्रार्थना (Request) लम्बित है।

योग्य आवेदक रीको की वेबसाईट www.riico.co.in, www.riico.rajasthan.gov.in या https://sso.rajasthan.gov.in या riico-gis.rajasthan.gov.in/riicogis-citizen के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

इस योजना में 98 औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग 6936 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च, 2025 है तथा ई-लॉटरी दिनांक 3 अप्रैल, 2025 को प्रस्तावित है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024

राज्य सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 का आयोजन 9-11 दिसंबर 2024 को किया गया था। समिट में करीब 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू निष्पादित किए गए। समिट में 32 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए जिनमें डेनमार्क, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, मलेशिया, स्पेन, क्यूबा, वेनेजुएला, मोरक्को, अर्जेंटीना, ब्राजील, कोस्टा रिका, नेपाल, ओमान, पोलैंड और थाईलैंड शामिल रहे।

राइजिंग राजस्थान- 2024 के समापन समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा था कि राज्य सरकार राइजिंग समिट में हुए एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए पूरी शक्ति के तहत काम करेगी और इसी उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए औद्योगिक क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए "प्रत्यक्ष भूखण्ड आवंटन योजना" लाई गई है तथा 11 दिसंबर 2025 को इन सभी एमओयू के जमीन पर उतरने की कार्यवाही की समीक्षा कर जनता के सामने लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि असीम संभावनाओं से भरपूर राजस्थान में उद्यमिता एवं विकास के शिखर को छूने की क्षमता है। राजस्थान नवाचार व निवेश आकर्षण के एक नए केंद्र के रूप में उभर रहा है।

रीको डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पॉलिसी-2025

आवंटन की प्रक्रिया:-

•(i) 50,000 वर्गमीटर तक:-एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने की दशा में ई-लॉटरी के माध्यम से सफल आवेदक को आवंटन।

•(ii) 50,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल से अधिक/विशेष औद्योगिक क्षेत्रों/पार्क:- आवेदक की पात्रता, भूमि की आवश्यकता इत्यादि के गुणावगुण के आधार पर आवंटन। अमानत राशि (ईएमडी):- भूखण्ड की कल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाईन जमा होगी।

सफल आवेदक को भूखण्ड आवंटन हेतु आवेदन की स्वीकृति के प्रस्ताव पत्र (ऑफर लेटर) जारी होने के 30 दिनों के अंतर्गत कुल प्रीमियम राशि की 1 प्रतिशत धरोहर राशि तथा प्रीमियम राशि की 25 प्रतिशत राशि जमा करवाया जाना वांछित है।

योजना की अवधि:- प्रत्यक्ष आवंटन योजना की वैद्यता दिनांक 30.06.2025 तक रहेगी। इस अवधि में "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024" के संदर्भ में राज्य सरकार के साथ उक्त पॉलिसी जारी होने की तिथि तक निष्पादित एमओयू वाले प्रकरणों को प्रत्यक्ष आवंटन प्रणाली के तहत सम्मिलित कर उपरोक्त प्रक्रिया सम्पन्न की जायेगी।

उल्लेखनीय राज्य सरकार ने राइजिंग राजस्थान समिट में राजस्थान में निवेश करने में रूचि रखने वाले उद्यमियों को औद्योगिक इकाई लगाने के लिए आमंत्रित किया था। जिसके फलस्वरूप विभिन्न मध्यम एवं लघु उद्योगों से जुड़े उद्यमियों ने भी राज्य सरकार के साथ एमओयू किए। एमओयू के पश्चात् रीको द्वारा भूमि आवंटन से लेकर परियोजना की शुरूआत तक, सभी प्रक्रियाओं में इन निवेशकों की हर संभव मदद की है। इसी क्रम में रीको द्वारा उद्यमियों को राजस्थान में निवेश करने एवं परिस्थितियों को अधिक से अधिक सुविधाजनक एवं निवेश अनुकूल बनाने के ध्येय सहित इस प्रत्यक्ष आवंटन प्रणाली को प्रारम्भ किया गया. जिससे निस्संदेह राजस्थान में

एकमुश्त समझौता योजना से भूमि विकास बैंकों को मिलेगी संजीवनी

-760 करोड़ रुपये के अवधिपार ऋणों की वसूली होगी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भूमि विकास बैंकों के ऋणों के लिए एकमुश्त समझौता (OTS) योजना लाए जाने से किसानों और लघु उद्यमियों को तो बड़ी राहत मिलेगी ही कमजोर आर्थिक स्थिति से जूझ रहे भूमि विकास बैंकों के लिए भी राज्य सरकार का यह कदम संजीवनी साबित होगा।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि प्रदेश के सहकारी भूमि विकास बैंकों द्वारा किसानों और जरूरतमंद लघु उद्यमियों को दीर्घकालीन ऋणों के माध्यम से प्रदेश के कृषि और आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाई जाती रही है। लेकिन विगत कुछ वर्षों में विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के कारण ऋणी किसानों द्वारा बैंक के ऋण की किश्तें नहीं चुकाई जा सकीं, जिसके परिणामस्वरूप इन बैंकों का अवधिपार ऋण लगभग 760 करोड़ रुपये हो गया। अब मुख्यमंत्री द्वारा एकमुश्त समझौता योजना लागू करने की घोषणा करते हुए इसके लिए 200 करोड़ रुपये का व्यय प्रस्तावित किया गया है, जिससे भूमि विकास बैंकों के ऋणों की वसूली आसान होगी और उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

दक ने कहा कि राज्य सरकार के 'सुराज संकल्प' में किसानों की भूमि नीलाम नहीं होने देने का प्रावधान है जिसके अंतर्गत भूमि विकास बैंकों द्वारा वसूली के लिए की जाने वाली नीलामी कार्यवाही को भी स्थगित किया हुआ है। उन्होंने कहा कि किसानों का यह वर्ग आशान्वित था कि राज्य सरकार उन्हें राहत देते हुए एकमुश्त समझौता योजना लागू करेगी। मुख्यमंत्री ने उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब देने के दौरान यह बड़ी घोषणा की है। सहकारिता मंत्री ने बताया कि इस घोषणा के तहत भूमि विकास बैंकों के 1 जुलाई, 2024 को अवधिपार हो चुके मध्यकालीन एवं दीर्घकालीन ऋण की मूल धन की 100 प्रतिशत राशि जमा करवाने पर अवधिपार ब्याज में 100 प्रतिशत की राहत दी जाएगी।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री की इस घोषणा से प्रदेश के भूमि विकास बैंकों से जुड़े हुए 36,351 अवधिपार ऋणी सदस्यों को अवधिपार ब्याज में शत प्रतिशत राहत का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इसके परिणामस्वरूप उक्त ऋणी सदस्यों को नवीन कृषि और अकृषि गतिविधियों के लिए राज्य सरकार की 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना में ऋण दिया जाकर लाभान्वित किया जा सकेगा, जिससे उनका आर्थिक उत्थान होगा और वे पुनः मुख्यधारा में लौटेंगे।

कालाडेरा नगरपालिका बनने पर ग्रामवासियों ने 151 फीट लंबा साफा पहनाकर किया रामलाल शर्मा का स्वागत

- ग्रामवासी बड़ी संख्या में कालाडेरा से पैदल पहुंचकर डीजे पर नाचते गाते हुए पहुँचे बीजेपी दफ्तर, पूर्व विधायक को माला और गुलाल लगाकर जताया आभार

एहसान पठान

चौमूँ (रॉयल पत्रिका)। भगवान सहाय यादव ग्राम पंचायत कालाडेरा को नगर पालिका क्रमोन्नत होने पर ग्रामवासियों ने डीजे के साथ कालाडेरा से पैदल चलकर और हाथों में 151 फीट का साफा लेकर रावण गेट भाजपा कार्यालय पहुंचे और ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का ज़ोरदार स्वागत किया गया। ग्रामवासियों द्वारा पटाखे फोड़े गए और रामलाल शर्मा को 51 किलो की माला पहनाकर और गुलाल लगाकर आभार जताया गया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने ग्रामवासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और चौमूँ विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत कालाडेरा को नगर पालिका में क्रमोन्नत करने पर माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल

शर्मा का आभार व्यक्त किया। इस मौक़े पर सरपंच अशोक शर्मा, गोविंदगढ़ पंचायत समिति सदस्य एवं कालाडेरा मंडल अध्यक्ष लालचंद यादव, बांसा मंडल अध्यक्ष शंकर लाल गोगोरिया, पूर्व फल सब्जी मंडी अध्यक्ष दिनेश गोरा, पूर्व सरपंच रामगोपाल मीणा, भाजपा सदस्य भगवान सहाय यादव , पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष हनुमान खोज, शक्ति केंद्र प्रभारी सोहन लाल कुमावत, छीगनलाल कुमावत, मुकेश चोपड़ा, अर्जुन ममोडिया, मोहन लाल खोज, कालूराम उज्जैनिया, बबलू उज्जैनिया, रणजीत, ओम प्रकाश दुसाद, नंदलाल कुमावत, मुकेश पंचोली, श्रीराम यादव, सीताराम यादव, हरनाथ बागड़ा, मुकेश पतालिया सहित सैंकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

रमजान के दूसरे जुम्मे की नमाज में मस्जिदों में उमड़ा नमाजियों का जनसमुह

-होली और माहे रमजान के जुम्मे के मौके पर हिन्दू-मुस्लिम भाईयों ने एक-दूसरे को दी बधाई व शुभकमानाएँ

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। रहमतों व बरकतों के महीने में आज शहर ए जोधपुर की ईदगाह बड़ी मस्जिद सहित तमाम मस्जिदों व इबादतगाहों में रमजान के दूसरे जुम्मे की नमाज अदा की गई। हर मस्जिद में रमजान के दूसरे जुम्मे की नमाज अदा करने के लिये शहर ए जोधपुर के नमाजियों का जनसमुह उमड़ा कि मस्जिदों में लगाये शमियाने दिखने लगे। बड़ी ईदगाह मस्जिद के पेश इमाम व खतीब मौलाना मोहम्मद हुसैन अशरफी ने रमजान में जुम्मे के दिन व जुम्मे की नमाज की नेकियों के बारे में बताते हुए कहा कि इस्लाम की बुनियाद अल्लाह रब्बुल आलमीन ने पांच चीजों पर रखी है, जिनमें तौहीद (अल्लाह को एक मनाना, उसकी जात में किसी दूसरे को शरीक न करना एवं अल्लाह के नबी मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम को आखिरी रसुल मनाना), नमाज (हर मुसलमान मर्द और औरत पर पांच वक्त की नमाज फर्ज है), रोजा (माहे रमजान में रोजे रखना), जकात (हर साहिबे निसाब यानि जिसके पास साढ़े सात तोला सोना या साढ़े बावन तोला चांदी या उसके बराबर रकम है तो अपने माल की जकात देना) व हज (जिन्दगी में एक बार करना, शर्त यह है कि हज पर जाने वाले के पास इतना पैसा होगा कि वह हज के दौरान रहन-सहन व आने जाने का खर्च उठा सके)।

संस्थान प्रवक्ता शौकत अली लोहिया ने बताया कि आध्यात्मिक इस्लामी संस्थान दारूल उलूम इस्हाकिया मुफ्ती ए आजम राजस्थान मुफ्ती शेर मोहम्मद रिजवी ने कहा कि रमजान के

जुम्मे को ईद जैसे माहौल में जुम्मे की नमाज को निहायत अदब ओ एहतराम (संजीदगी व शांति के साथ) के साथ अदा की गई। जुम्मे की नमाज को अदा करने के लिये नमाजियों ने सुबह जल्दी से ही तैयारियां शुरू कर दी। मस्जिदों व इबादतगाहों में नमाजियों के लिए इंतेजामिया कमेटियों द्वारा खास इन्तजाम किये गये। जालोरी गेट बडी ईदगाह, खेतानाड़ी ईदगाह, चीरघर स्थित मदरसा अशफाकिया मस्जिद, बम्बा बडी व छोटी मस्जिद, उदयमंदिर, आसन, नागौरी गेट, सिवांची गेट, लाखरान सहित सैकड़ों मस्जिदों में नमाजियों का जनसमुह देखने लायक था। अजान की आवाज के साथ ही नमाजी घरों व अपने-अपने काम-काज छोड़कर मस्जिद की ओर रूख कर लिया और देखते-देखते मस्जिदें नमाजियों से भर गई। बच्चियों ने घरों में अपनी वालिदा (माँ) तो बच्चों ने मस्जिदों में अपने वालिद (पिता) के साथ मस्जिद में नमाज अदा की और एक-दूसरे को रमजान के मुबारक महिने के दूसरे जुम्मा की गले लग मुबारकबाद पेश की। ईदगाह क्षेत्र के पास स्थित ब्रह्मबाग, सिंधी मोहल्ला, हाकम बाग व आस-पास के क्षेत्र में हिन्द भाईयों द्वारा होली का पर्व रंगोत्सव भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। होली और माहे रमजान के जुम्मे के मौके पर हिन्द-मुस्लिम भाईयों ने एक-दूसरे को बधाई व शुभकमानाएँ देकर आपसी भाईचारगी व सौहार्द की मिसाल पेश की।

रमजान में जुम्मे की अहमियत – जुम्मे के दिन को छोटी ईद कहा जाता है और जुम्मे के दिन को सारे दिनों का सरदार कहा जाता है। जुम्मे के नमाज के दिन मुसलमान नहा धोकर, इत्र (खुशबु) लगाकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों से समय निकालकर नमाज अदा करने के बाद देश के लिए अमनो-चौन की दुआ करने व गरीबों, मिस्कीनों की मदद करने के साथ आपस में एक-दूसरे को मुबारकबाद देता है। रोजों की बड़ी अहमियत व फजीलत अहादीस में बताई गई है। रमजान का महीना आते ही रहमत के सारे दरवाजे खोल दिये जाते है और जहन्नुम के दरवाजों को बन्द कर दिया जाता है। शैतानों को जंजीरों में बांध दिया जाता है।

शौकत अली लोहिया - समाजसेवी शिक्षक व प्रवक्ता - दारूल उलूम इस्हाकिया

मेघवाल समाज का होली मिलन समारोह आयोजित

कोटा(रॉयल पत्रिका)। रामगंजमंडी क्षेत्रीय मेघवाल विकास समिति रामगंज मंडी के तत्वाधान में होली मिलन समारोह काआयोजन हुआ जिसमें समाज के प्रबुद्ध समाज बंधुओं ने भाग लिया। इस मौका पर समिति के संरक्षक ओम फौजी ने बताया कि समाज को मिलजुल कर काम करना चाहिए और समाज में व्याप्त कुरीतियों पर रोक लगनी चाहिए संगठित समाज ही विकसित समाज बनाता है और हमें बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए सही मायने में समाज का विकास ही शिक्षा से होता है इस मौके पर समाज के प्रबुद्ध जन रतनलाल धनिया गोपाल कानूनगो बलराम बजरंग बीरम नियामत खेड़ी अशोक कुमार गोविंदा विनोद मेंबर रविंद्र कुमकोट आनंद चरिया खेड़ी अमर लाल हीराखेड़ी नारायण लाल प्रहलाद दुनिया फूलचंद मोढक भेरूलाल भाव पुर जुगल किशोर लालचंद तेलिया खेड़ी प्रभुलाल अध्यपक शोभा राम गोयन्दा राम लाल बोराणा दुर्गा लाल बजरंग धारणावड़ राकेश मंडा लालचं द दानी प्रभुलाल कृषि उपज मंडी राम करण मोहन लाल सहित कई गण मान्य समाज बंदु मौजूद रहे समारोह के अंत में समाज का अध्यक्ष कंही राम मेघवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विश्व उपभोक्ता दिवस पर स्काउट्स ने संभाली कमान

-रंगोली बनाकर दिया उपभोक्ता जागरूकता का संदेश

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। विश्व उपभोक्ता दिवस पर जिला उपभोक्ता विभाग प्रतितोष आयोग व स्काउट एवं गाइड्स के संयुक्त तत्वावधान में रवीन्द्र पब्लिक स्कुल की गाईड ग्रुप ने शनिवार को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग परिसर में रंगोली कार्यक्रम हुआ। रंगोली कार्यक्रम में स्काउट एवं गाइड्स ने उपभोक्ता आयोग के राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1915 एवं जागो ग्राहक समेत हर खरीद पर बिल लेने, धोखाधड़ी होने पर उपभोक्ता आयोग में शिकायत करने समेत कई मुद्दों को रंगोली के माध्यम से उकेरते हुए उपभोक्ता सप्ताह का शुभारंभ किया। जिला आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने बताया कि स्काउट एवं गाइड्स सप्ताह भर आमजन को हर खरीद पर बिल लेने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि जहां एक तरफ उपभोक्ता सुरक्षित होता है, वहीं दूसरी तरफ सरकार को भी टैक्स से होने वाली आय में इजाफा होता है। इस मौके पर जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, स्काउट

सीओ महेश कालावत,

जिला अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट सुभाष चंद्र पुनियां, पूर्व अध्यक्ष विजय ओला, एडवोकेट भगवान सिंह शेखावत, कमलेश झाझड़िया, विनोद गिल, आनन्दी लाल सैनी, अनिल झाझड़िया, विकास कुमार, जिला आयोग के वरिष्ठ सहायक चन्दन सैनी, एजाज नबी, मोहम्मद आदिल, सफाईकर्मी मुकेश कुमार, मुरलीधर वाल्मिकी समेत अनेक अधिवक्तागण मौजूद रहे।

इन्होंने दिया योगदान:- रंगोली कार्यक्रम में तमन्ना, नीतू, सविता, रितु, मोनिका व वार्डन सरोज कंवर शेखावत ने अपना योगदान दिया। गौरतलब है कि स्काउट एवं गाइड्स उपभोक्ता जागरूकता के क्षेत्र में काफी सक्रिय हैं, गत वर्ष 2 दिसंबर को स्काउट्स सीओ महेश कालावत के मार्गदर्शन में स्काउट्स एवं गाइड्स ने प्रथम उपभोक्ता संसद का भी संचालन किया था।

सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वालों का चालान कर वसूला जुर्माना

-विश्व धूम्रपान निषेध दिवस पर चिकित्सा विभाग की कार्यवाही

पाली, (रॉयल पत्रिका)। विश्व धूम्रपान निषेध दिवस के मौके पर चिकित्सा विभाग की टीमों ने बुधवार को पाली शहर सहित जिले भर में कार्यवाही कर सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए चालान काटकर जुर्माना वसूला गया।

सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि बुधवार को विश्व धूम्रपान निषेध दिवस के उपलक्ष्य में जिला तम्बाकु नियंत्रण प्रकोष्ठ के अधिकारियों द्वारा पाली शहर सहित जिले भर में कोटपा अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करते हुये पाये गये लोगों का चालान किया गया तथा उनसे जुर्माना भी वसूल किया गया। इसी प्रकार कोटपा अधिनियम का उल्लंघन करने वाले तम्बाकू विक्रेताओं का भी चालान कर उनसे भी जुर्माना वसूल किया गया। बुधवार को एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र के प्रधानाचार्य केसी सैनी एवं एनटीसीपी के जिला सलाहकार डॉ.अंकित माथुर के दल ने पाली शहर के विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर कोटपा अधिनियम का उल्लंघन करते पाये गये लोगों एवं दुकानदारों का चालान किया तथा जुर्माना भी वसूला।

उन्होंने बताया कि बुधवार को पाली शहर के बांगड़ चिकित्सालय के आसपास, अंबेडकर चौराहा, पांच मौका पुलिया, रेलवे स्टेशन आदि क्षेत्रों में कोटपा अधिनियम का उल्लंघन करने वाले लोगों के चालान बनाकर उनसे जुर्माना वसूल किया, जिसे राजकोष में जमा करवाया गया है। कार्यवाही के दौरान कोटपा दल के सदस्यों ने उल्लंघन करने वालों एवं आमजन को तम्बाकु से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देकर तम्बाकु उत्पादों का त्याग करने बाबत उनका परामर्श भी किया गया तथा लोगों को जागरूक किया गया। आमजन एवं दुकानदारों को एकत्रित कर उन्हें कोटपा अधिनियम की जानकारी भी प्रदान की तथा अधिनियम की पालना करने का आह्वान किया। चालान दल के सदस्य के रूप में एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र के प्रधानाचार्य केसी सैनी तथा डीपीसी आईईसी नंदलाल शर्मा ने इस दौरान लोगों के छोटे छोटे समूहों में चर्चा की, उन्हें तम्बाकु उत्पादों के पैकिट पर अंकित किये गये। कैंसर के फोटो दिखाकर उन्हें बताया कि तम्बाकु का उपयोग करने से कैंसर हो सकता है, तम्बाकु उत्पादों का प्रयोग करने वाले लोगों को हृदयरोग, श्वसन रोग, पक्षाघात एवं दमा आदि रोगों का भी अधिक खतरा बना रहता है तथा उन्हें तम्बाकु से होने वाले अन्य नुकसानों की भी जानकारी दी। इस दौरान कई लोगों से तम्बाकु उत्पादों का त्याग करने के लिए संकल्प पत्र भी भरवाये। साथ ही कई दुकानदारों से उनके दुकानों में लगे तंबाकू के विज्ञापनों को हटाया भी गया। कार्यवाही के दौरान दल के सदस्यों ने दुकानदारों को भी समझाया कि वे नाबालिकों को तम्बाकु उत्पादों का विक्रय नहीं करें, चेतावनी के बैनर दुकान पर लगाकर रखें, तम्बाकु उत्पादों के विज्ञापन के चित्र नहीं लगायें, उक्त सभी कोटपा अधिनियम के उल्लंघन की श्रेणी में आते हैं।

जिला कलक्टर ने किया फॉर्मर रजिस्ट्रेशन शिविरों का निरीक्षण

-अब तक 1.07 लाख किसानों का पंजीकरण

बारां, (रॉयल पत्रिका)। भारत एवं राज्य सरकार की एग्रीस्टैक योजना के तहत जिले में किसानों के फॉर्मर आईडी पंजीकरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में किसानों को फॉर्मर आईडी कार्ड बनाकर वितरित किए जा रहे हैं। शनिवार को जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने ग्राम पंचायत कलमंडा और फूसरा में चल रहे शिविरों का निरीक्षण किया और पंजीकरण की प्रगति का जायजा लिया।

अब तक 1.07 लाख किसानों का पंजीकरण

एडीएम दिवांशु शर्मा ने बताया कि जिले के सातों ब्लॉकों में अब तक कुल 1,07,733 किसान अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। ब्लॉकवार पंजीकरण की स्थिति इस प्रकार है-

मांगरोल - 12,319, अंता - 13,655, बारां - 18,775, अटरु - 15,227, किशनगंज - 11,582, छबड़ा - 19,789, छीपाबड़ौद - 16,386 किसानों को डिजिटल कार्ड जारी किए गए है।

जिला कलक्टर तोमर ने किसानों से अधिक से अधिक 31 मार्च

से पहले पंजीकरण करवाने की अपील की, ताकि वे पीएम किसान निधि समेत अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि 31 मार्च के बाद पंजीकरण नहीं करवाने वाले किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिल पाएगा।

आगामी 16 और 17 मार्च को प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक किसानों की सुविधा के लिए विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। ये शिविर बारां में थामली, कलमण्डा, फूंसरा, मण्ड़ोला, माथना, मांगरोल में किशनपुरा, बोहत, उदपुरिया, महलपुर, मउ, छबड़ा में सेमली, कडैयाहाट, कडैयावन, मूण्ड़ला, झरखेड़ी, छीपाबड़ौद में गोरधनपुरा, कलमोदिया, बंजारी, दीगोदखलसा, काल्पाजागीर, हरनावदाशाहजी, सेतूकोलू, अजनावर, अटरु में दिलोदहाथी, ढ़ोटी, मेरमाचाह, कवाई, मोठपुर, पटना, केरवालिया, मुंसईगुजरान, किशनगंज में बरुनी, करवरीकलां, पीजना, बन्दाखुर्द, बजरंगगढ़, रामपुरिया, लक्ष्मीपुरा, उर्फ खांखरा एवं सेवनी में आयोजित होंगे। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे समय पर शिविरों में पहुंचकर अपना पंजीकरण करवाएं और सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं।

होली स्नेह मिलन कार्यक्रम संपन्न, मनोरंजक कार्यक्रम एवं अग्र प्रसाद का हुआ आयोजन

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। अग्रवाल समाज समिति झुंझुनू के तत्वाधान में महाराजा अग्रसेन मार्ग स्थित अग्रसेन भवन झुंझुनू में शुक्रवार सांयकाल होली स्नेह मिलन, मनोरंजक कार्यक्रम एवं अग्र प्रसाद का आयोजन किया गया। होली स्नेह मिलन कार्यक्रम संयोजक आशीष तुलस्यान के संयोजक्तत्व में आयोजित हुआ जिसमें मनोरंजन कार्यक्रम " होली की खुमारी, प्रश्नों की पिचकारी " का संचालन बहुत ही शानदार तरीके से सीए जिम्मी मोदी एवं आशुतोष मोदी द्वारा किया गया। सभी वर्ग के लोगों से पूछे गए होली के अवसर के मनोरंजन प्रश्नों पर विजेताओं को पुरस्कृत अतिथियों के हाथों करवाया गया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि सीए मनीष मित्तल, सीए नितिन गुप्ता, सीए हर्ष

जालान एवं सीए दीपक खेतान की गरिमामयी उपस्थित रही। इसी के साथ मंच पर उपाध्यक्ष डॉ दिलीप मोदी, रघुनाथ पोद्दार, सचिव शिवचरण हलवाई एवं संयोजक आशीष तुलस्यान उपस्थित थे। सभी ने महाराजा अग्रसेनजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलंन कर कार्यक्रम शुभारंभ किया। अतिथियों का स्वागत समिति की ओर से माल्यार्पण के साथ करते हुए उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर अग्रवाल समाज समिति के पदाधिकारी, सदस्य, महिलाएं एवं अग्रबंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तैयारियों को लेकर हेरिटेज निगम जोन उपायुक्त का वार्ड निरीक्षण

-सड़क पर कचरा फेंकने वालों पर की जाएं कार्रवाई, निगम अधिकारी रखेंगे वॉच

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए हेरिटेज निगम के सभी अधिकारी लगातार फिल्ड में सक्रिय नजर आ रहे है। धुलंडी के दूसरे दिन निगम आयुक्त अरुण हसीजा के निर्देश पर जोन उपायुक्त ने क्षेत्र में दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान जिन वार्डो में पिछले कई समय से कचरा नहीं उठाने की शिकायत आ रही थी, उन वार्डो में जाकर सफाई व्यवस्था सुदृढ़ कराई। साथ ही सड़क पर कचरा फेंकने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की। आयुक्त अरुण हसीजा ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर अधिकारी लगातार फिल्ड निरीक्षण कर रहे है। सभी मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और स्वास्थ्य निरीक्षक को भी वार्डो में सफाई रखने के लिए पाबंद किया है। कुछ जगहों पर सफाई होने के बाद आमजन कचरा फेंक

रहे है। उन्हें चिन्हित कर कार्रवाई के लिए निर्देश दिए है। स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान नगर निगम अधिकारी सड़क पर स्वच्छता को लेकर लगातार वॉच रखेंगे।

उन्होंने बताया कि निरीक्षण स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में बेहतरीन प्रदर्शन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है, ताकि क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्यवर्धक बनाया जा सके। वहीं, किशनपोल जोन उपायुक्त दिलीप बंबानी जी ने वार्ड 60,61,62,64,65, और 66 का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान वार्डों के स्वास्थ्य निरीक्षक भी उपस्थित रहे। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य सफाई व्यवस्था का मूल्यांकन करना और स्वच्छता की स्थिति को और बेहतर बनाना था। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने और GVP प्वाइंट बंद करने के निर्देश दिए और आवश्यक सुधारों पर जोर दिया। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों को स्वच्छता संबंधी कमियों को तुरंत दूर करने और नागरिकों को स्वच्छता अभियान से जोड़ने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए।

छोटी बच्ची महिरा खान व आईरा पठान ने रखा पहला रोजा

शब्बीर हुसैन

बारां(रॉयल पत्रिका)। जैसे-जैसे रमजानुल मुबारक का पाक व मुकद्दस महीना आगे बढ़ रहा है मुस्लिम इलाकों में रौनक परवान चढ़ती जा रही है। परिवार के बड़े लोगों की तरह छोटे बच्चे भी हिम्मत करके राहें खुदा के लिए रोजे रख रहे हैं। शुक्रवार को साजिद खान (संजय) की बेटी महिरा खान और जुगनू पठान की बेटी आईरा पठान ने अपना पहला रोजा रखा। दिन भर अपने परिवार, अम्मी-पापा ओर दादा-दादी के साथ में रही नमाज भी अदा की और इबादत में मशगूल रही। शाम को मगरिब की अज़ान पर रोजा अफतार करके अल्लाह का शुक्र अदा किया। रोजा अफतार के बाद दोनों बच्चियों को दादा उस्मान खान, सलीम खान, अखलाक खान, इरफान खान,

अध्यापक अलीम खान, नर्सिंग ऑफिसर असलम खान, इमरान खान, सलमान खान, शोएब खान, अदनान खान सहित कई लोगों ने दुआएं दी और ईनामात से भी नवाजा।

विश्व उपभोक्ता दिवस मनाया

पाली, (रॉयल पत्रिका)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शनिवार को पेंशन भवन में विश्व उपभोक्ता दिवस का आयोजन किया गया। जिला रसद अधिकारी मनजीत सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा इस वर्ष की थीम "टिकाउ जीवन शैली की ओर एक उचित बदलाव" निर्धारित की गई। जिला स्तरीय यह कार्यक्रम पेंशन भवन सभागार, कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपभोक्ता विषयक क्लब प्रभारी / स्वयं सेवी संस्था पाली जिले के गणमान्य अधिवक्ता तथा जिले के राशन डीलर्स, व्यापार संघ के अध्यक्ष जागरूक तथा पाली जिला जनचेतना समिति के अध्यक्ष डॉ. के. एम. शर्मा तथा नूतन महिला पहल की अध्यक्ष नूतन बाला कपिला सहित अनेकों गणमान्य नागरिकों ने बडे उत्साह से भाग लिया जिन्होंने अच्छी गुणवत्ता व आई.एस.ओ. मार्का वाली खाद्य समाग्री खरीदने, पौलिथीन का उपयोग नहीं करने, वैद्यता अवधि की जांच करने वस्तु क्रय करने, घटिया क्वालिटी से संक्रमित हो रहे उपभोक्ताओं को बचने इत्यादि के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस क्रम में प्रवर्तन अधिकारी कमल कुमार पंवार ने ऑनलाईन खरीद करते सावधानियां बरतने एवं डार्क पैटर्न से सतर्क रहने संबंधी जानकारी प्रदान की। इस कार्यक्रम में जिला रसद कार्यालय के जितेन्द्रसिंह आशिया प्र.अ. संगीता शर्मा, हेमन्त सेन, मोहम्मद मकसूद, पुखराज, इब्राहीम एवं रामसिंह सहित अन्य कार्मिकों ने उत्साह से अपना योगदान दिया। अन्त में सधन्यवाद विश्व उपभोक्ता दिवस का समापन किया गया।

बोर्जेस ने एलमंड्स एवं एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल पेश किए

भोपाल। मेडिटेरेनियन फूड प्रोडक्ट्स में प्रतिष्ठित नाम, बोर्जेस इंडिया ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए दो नए प्रीमियम प्रोडक्ट - जीरो पेस्टिसाईड रेजिड्यू (जैडपीआर) एलमंड्स और सिंगल वैरायटी एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल पेश किए हैं। इन नए उत्पादों से गुणवत्ता, स्वास्थ्य और सस्टेनेबिलिटी की बोर्जेस की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। ये उत्पाद भारतीय ग्राहकों को मेडिटेरेनियन डाईट के अनुरूप इनोवेटिव और पोषण से भरपूर विकल्प उपलब्ध कराएंगे। जीरो पेस्टिसाईड रेजिड्यू एलमंड्स बोर्जेस इंडिया द्वारा पेश किए गए जीरो पेस्टिसाईड रेजिड्यू (जैडपीआर) एलमंड्स बाजार में अपनी तरह की पहली पेशकश हैं। स्पेन से लाए गए खास किस्म के ये बादाम अपने मीठे स्वाद के लिए मशहूर हैं। बोर्जेस इंडिया ने जैडपीआर एलमंड के दो वैरिएंट पेश किए हैं। पहला है, ब्लांश्ड एवं रोस्टेड एलमंड और दूसरा है रोस्टेड एलमंड विद स्किन। ये दोनों वैरिएंट ग्लूटेन-फ्री हैं। इन्हें हाई फाईबर और प्रोटीन के साथ पैक किया गया है। इसलिए ये स्वस्थ जीवनशैली के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। ये बादाम जीरो पेस्टिसाईड रेजिड्यू के कारण सबसे अलग हैं। बोर्जेस इंडिया ने अपने ओलिव ऑयल और मेडिटेरेनियन उत्पादों की सफलता को आगे बढ़ाते हुए दो सिंगल वैरायटी एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल पेश किए हैं। इनमें फ्रूटी एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल और कैरेक्टर एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल शामिल हैं। ये स्वादिष्ट एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल सिंगल वैरायटी ओलिव से बने हैं।

फैबइंडिया के साथ अपने होली लुक को बनाएं बेहद खूबसूरत

इंदौर एजेंसी। सफेद पहनना होली की शुरुआत की तरह है - एक खाली पन्ना, जिस पर ये त्योहार रंग अपनी छाप छोड़ते हैं। इस अवसर पर, फैबइंडिया प्रस्तुत करता है अपना - द कलर्स ऑफ़ व्हाइट पारम्परिक डबु प्रिंट वाले रेड कॉटन सिल्क डबु प्रिंटेड दुपट्टा कॉटन सिल्क दुपट्टा के साथ अपने होली के लुक को भव्य बनाइए। इसका खूबसूरत लाल रंग दिन भर आराम के साथ त्योहार के आकर्षण को कई गुना बढ़ा देगा। आप इसे क्लासिक कुर्ता या फ्यूज़न वियर के साथ पहन सकती हैं। इसका आकर्षक हैण्ड-ब्लॉक पैटर्न और सॉफ्ट टेक्सचर आपके फेस्टिव लुक को बेहद भव्य बना देगा। फैबइंडिया ऑफ-व्हाईट कॉटन प्रिंटेड लॉन्ग कुर्ता आराम और स्टाइल का बेहतरीन संयोजन है। इसका नाज़ुक प्रिंट इसे आकर्षक बनाता है, वहीं ब्रीदेबल कॉटन फैब्रिक के चलते आप होली के पूरे दिन आरामदायक महसूस करेंगी। इसे आप कलरफुल सलवार या स्लिम फिट पैंट्स के साथ पहन सकती हैं। इसके साथ पहनें स्टेटमेन्ट सिल्वर एक्सेसरी और अपने फेस्टिव लुक को भव्यता का अहसास दें। खूबसूरती से डिज़ाइन किया गया मैटल का मैटल ओपनेबल बैंगल परम्परा और आधुनिकता का बेहतरीन संयोजन है। इसका एंटीक फिनिश और खूबसूरत कारीगरी इसे बेहद खास बना देते हैं, आप इसे स्टेटमेन्ट पीस की तरह पहन सकती हैं। यह आसानी से खुल जाता है और बेहतरीन फिट देता है, साथ ही यह आपके होली के परिधान के साथ खूब जंचेगा। इसे वाइब्रेन्ट कुर्ता या चिकनकारी आउटफिट के साथ पहनिए और होली के जश्न को खास बना लीजिए। मैटल डैंगलर ईयररिंग्स खूबसूरत सिल्वर डैंगलर्स आपके होली लुक में चार-चांद लगा देंगे। इसकी आकर्षक फ्लोरल डीटेलिंग और लाईटवेट डिज़ाइन इसे दिन भर के लिए परफेक्ट बनाता है, साथ ही फिश-हुक क्लोजर के साथ आप सुबह से लेकर शाम तक दिन भर आराम से पहन सकती हैं। इस होली आप आधुनिक लुक में सजना चाहती हैं, तो पहनें कढ़ाई वाली व्हाईट कॉटन चिकनकारी 2पीस मिडी ड्रैस ,जो परम्परा के साथ-साथ आधुनिकता और आराम का भी संयोजन है।

अनिश्चितता के बावजूद भारत एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में सबसे बेहतर...

1.05 लाख का स्तर छू सकता है सेंसेक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की ओर से शुरू किए गए टैरिफ वार के कारण दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं में भारी उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इसके बावजूद भारत एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में सबसे बेहतर स्थिति में है। इसकी प्रमुख वजह विभिन्न मोर्चे पर तेजी से सुधार होना है। मॉर्गन स्टेनली ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा, व्यापारिक तनाव के कारण एशियाई देशों की आर्थिक वृद्धि पर जोखिम बना हुआ है। हालांकि, इस पृष्ठभूमि में भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि माल आयात पर कम निर्भरता, मजबूत सेवा निर्यात और घरेलू मांग के लिए नीतिगत समर्थन के मामले में भारत बेहतर स्थिति में है। राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों के कारण सुधार को रफ्तार देने में मदद मिलेगी। मौद्रिक सहजता अब तीन मोर्चों पर पूरी तरह लागू है, जिनमें ब्याज दर में कटौती, तरलता और नियामकीय अनुपालन में राहत शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, जीडीपी के अनुपात में कम माल आयात से भारत पर ज्यादा जोखिम नहीं है। मॉर्गन स्टेनली ने कहा, घरेलू मांग में सुधार हो रहा है। इससे विकास दर को गति मिलेगी और भारत को फिर से आर्थिक वृद्धि में नेतृत्व पाने में मदद मिलेगी। साथ ही, भारत सेवा निर्यात में बाजार हिस्सेदारी हासिल करना जारी रखेगा, जो 2020 के 3.9 फीसदी से बढ़कर 2024 में 4.4 फीसदी पहुंच जाएगी।

1.05 लाख का स्तर छू सकता है सेंसेक्स- मॉर्गन स्टेनली के विश्लेषकों को उम्मीद है कि अगर शेयर बाजार में

बहुत ज्यादा तेजी रही तो सेंसेक्स दिसंबर, 2025 तक 105,000 के स्तर को छू लेगा। इसका मतलब है कि मौजूदा स्तरों से करीब 41 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। सामान्य मामलों में सेंसेक्स 93,000 के स्तर तक जा सकता है, यानी 25 फीसदी की तेजी। दूसरी ओर, मंदी की स्थिति में सेंसेक्स लगभग छह फीसदी की गिरावट के साथ 70,000 के स्तर पर आ जाएगा। मॉर्गन स्टेनली ने कहा, कोरोना के बाद से बाजार का मूल्यांकन सबसे आकर्षक है।

सुधार के प्रमुख कारक

- सरकारी पूंजीगत खर्च में निरंतर बढ़ोतरी देखी जा रही है।
- खाद्य महंगाई में नरमी से वास्तविक घरेलू आय बढ़ रही है। सेवा निर्यात में सुधार हो रहा है।
- निजी खपत में 2024 की चौथी तिमाही में सुधार के संकेत दिखे हैं। वास्तविक निजी खपत में वृद्धि 6.9 फीसदी तक पहुंच गई।
- एफएमसीजी वॉल्यूम की वृद्धि दर सालाना बढ़कर 7.1 फीसदी पहुंच गई। यह मुख्य रूप से मजबूत ग्रामीण सुधार से प्रेरित है।

6.5 फीसदी रहेगी वृद्धि दर

- रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2024-25 में 6.3 फीसदी और 2025-26 में 6.5 फीसदी रहेगी। भारतीय इक्विटी परिदृश्य आकर्षक बना हुआ है। आने वाले दशकों में देश वैश्विक उत्पादन में हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। भारत दुनिया का सबसे अधिक मांग वाला उपभोक्ता बाजार होगा। देश एक बड़े एनर्जी ट्रांजिशन से गुजरेगा।

एडलवाइज लाइफ़ की स्टडी से पता चलता है कि भारत में सैंडविच जेनरेशन के 60प्रतिशत लोगों को भविष्य की फाइनेंशियल सिक्योरिटी की चिंता है

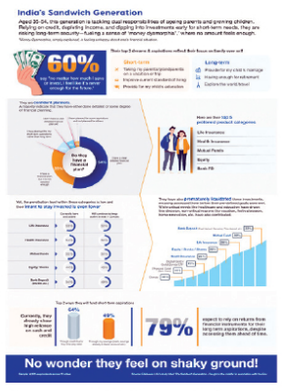

रीवा। भारत में सैंडविच जेनरेशन के लोग अपने माता-पिता और बच्चों की ज़िंदगी को हर संभव तरीके से सबसे बेहतर बनाने पर ध्यान देते हैं, फिर भी उन्हें ऐसा लगता है कि वे अपने भविष्य के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। एडलवाइज लाइफ़ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी सेविंग या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं है। सामान्य तौर पर 35 से 54 साल की उम्र के लोगों को सैंडविच जेनरेशन कहा जाता है, जिनके कंधों पर दो पीढ़ियों - यानी अपने बुज़ुर्ग माता-पिता और बढ़ते बच्चों की आर्थिक ज़रूरतों को पूरा करने की ज़िम्मेदारी होती है। जीवन बीमा कंपनी ने ड्डशह्वत्रश1 के साथ मिलकर देश के 12 शहरों में इस जेनरेशन के 4,005 लोगों का एक सर्वे किया, ताकि उनके नज़रिये, उनकी धारणा और वित्तीय तैयारी के स्तर को समझा जा सके। इस मौके पर एडलवाइज लाइफ़ इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ, सुमित राय ने कहा, पिछले कुछ सालों में अपने ग्राहकों के साथ बातचीत के आधार पर हमने इस बात को करीब से जाना है कि, सैंडविच जेनरेशन के लोग किस तरह अपने माँ-बाप और बच्चों की देखभाल के बीच फंसे हुए हैं। वे स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी ज़रूरी सुविधाएँ उपलब्ध कराना चाहते हैं, साथ ही वे अरमानों भरी ज़िंदगी भी देना चाहते हैं, जिसमें 'ज़रूरतों' को पूरा करने के लिए ख़्वाहिशों की कुर्बानी नहीं देनी पड़े। यही सबसे बड़ी वजह है, जो उन्हें वित्तीय फैसले लेने के लिए प्रेरित करती है। और इन सब के बीच, वे अक्सर अपने सपनों को पीछे छोड़ देते हैं, जिससे उन्हें यह महसूस होता है कि वे भविष्य के लिए तैयार नहीं हैं। उनके वित्तीय फैसले परिवार के लिए अपनी ज़िम्मेदारी और प्यार पर आधारित होते हैं।

दालों की सप्लाई सुचारु करने की कवायद

- सरकार ने पीली मटर और उड़द के लिए मुफ्त आयात नीति की अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने पीली मटर और उड़द के लिए मुफ्त आयात नीति की अवधि बढ़ा दी है। इस कदम से व्यापारियों के लिए इन दालों को देश में लाना आसान हो गया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग एक अधिसूचना जारी कर इसकी जानकारी दी। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में क्या कहा गया है, आइए जानते हैं।

पीली मटर के निर्यात पर सरकार ने क्या फैसला किया?

अधिसूचना के अनुसार, आईटीसी (एचएस) कोड 07131010 के तहत पीली मटर के आयात को अब पहले से लागू न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) शर्त या किसी भी बंदरगाह प्रतिबंध से मुक्त कर दिया गया है। अब इसे ÷मुफ्त÷ के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। पीली मटर के मामले में मुफ्त आयात नीति को तीन महीने के लिए बढ़ाया गया है। हालांकि, व्यापारियों को अपने आयात को ऑनलाइन आयात निगरानी प्रणाली के तहत पंजीकृत करना होगा। यह नया नियम उन सभी शिपमेंट पर तत्काल लागू होगा जहां बिल ऑफ लैडिंग (शिप ऑन बोर्ड) 31 मई, 2025 को या उससे पहले के लिए जारी किया गया है। इससे पहले, पीली मटर के लिए मुफ्त आयात नीति 28 फरवरी, 2025 को समाप्त हो गई थी।

उड़द आयात नीति मार्च 2026 तक बढ़ाई गई

सरकार ने उड़द दाल के लिए मुफ्त आयात नीति की अवधि भी बढ़ा दी है। संशोधित नियमों के तहत, व्यापारी 31 मार्च, 2026 तक उड़द का स्वतंत्र रूप से उड़द दाल का आयात करना जारी रख सकते हैं। इसकी समयसीमा 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाली थी। पीली मटर और उड़द दोनों के लिए आयात नीति का विस्तार करने के निर्णय से कीमतों में स्थिरता आने और घरेलू बाजार में पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होने की उम्मीद है। दालें भारत की खाद्य सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, और सरकार मांग और आपूर्ति को संतुलित करने के लिए अक्सर आयात नीतियों में बदलाव करती है। पीली मटर के लिए आयात शर्तों में ढील से खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को भी मदद मिल सकती है जो आयातित दालों पर निर्भर हैं।

आईएलएंडएफएस इनविट - रोडस्टार इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट - एनएसई पर सूचीबद्ध, मूल्य और विकास क्षमता को अनलॉक करता है

- सफल इनवाइट लिस्टिंग से आईएलएंडएफएस के लिए अपने ऋण समाधान लक्ष्य को प्राप्त करने में एक और मील का पत्थर पूरा होने का संकेत मिलता है

मुंबई एजेंसी। इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएलएंडएफएस) ने रोडस्टार इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट इनविट (आरआईआईटी) इकाइयों को एक लिस्टिंग समारोह में एनएसई पर सूचीबद्ध किया। इसमें आईएलएंडएफएस समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री नंद किशोर; अध्यक्ष डॉ जे एन सिंह, और रोडस्टार इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स लिमिटेड (आरआईएमएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री डैनी सैमुअल और नए बोर्ड के कई सदस्य उपस्थित थे।

आरआईआईटी की लिस्टिंग इनविट के वितरण के बाद हुई है - जिसमें 6 अंतर्निहित सड़क संपत्तियां हैं। इसका उद्यम मूल्यांकन 8,592 करोड़ रुपये है, इस प्रकार आईएलएंडएफएस समूह की ऋण समाधान के लिए विविध वित्तीय

साधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता को रेखांकित करता है।

रोडस्टार इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित रोडस्टार इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की स्थापना भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से स्वामित्व, संचालन और निवेश करने के उद्देश्य से की गई थी, और यह इनविट विनियमों के तहत पंजीकृत है।

रोडस्टार इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के पास अपने प्रोजेक्ट एसपीवी के माध्यम से अपने पोर्टफोलियो के तहत 6 सड़क परिसंपत्तियां हैं, जिनकी कुल लंबाई 685.16 किलोमीटर है, जो भारत के 6 राज्यों में स्थित हैं - अर्थात मुरादाबाद बरेली एक्सप्रेसवे लिमिटेड (एमबीईएल), सीकर बीकानेर हाईवे लिमिटेड (एसबीएचएल), पुणे शोलापुर रोड डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (पीएसआरडीसीएल), बरवा अड्डा एक्सप्रेसवे लिमिटेड (बीएईएल), तिरुवनंतपुरम रोड डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (टीआरडीसीएल) और हजारीबाग रांची एक्सप्रेसवे लिमिटेड (एचआरईएल)। इस महत्वपूर्ण इनविट लिस्टिंग के साथ, आईएलएंडएफएस ने अपने ऋण समाधान की यात्रा में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है, जिसकी पहचान हाल ही में अपने लेनदारों को 5,000 करोड़ रुपये के अंतरिम वितरण के पूरा होने से हुई है। इस वितरण में 3,500 करोड़ रुपये की इनविट इकाइयां और 1,500 करोड़ रुपये की नकदी शामिल है, जो समूह की अपने समाधान प्रयासों में निरंतर प्रगति को दर्शाता है।

एसबीआई ने देश भर में अपनी पहुंच बढ़ाई, वंचितों को सशक्त बनाया

- वित्त मंत्री ने 70 शाखाओं और 501 महिला सीएसपी का किया उद्घाटन

मुंबई एजेंसी। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने 1 जुलाई, 1955 को अपनी स्थापना के 70 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में अपने प्लैटिनम जयंती समारोह की शुरुआत की। समारोह के हिस्से के रूप में, माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 70 शाखाओं और 501 महिला ग्राहक सेवा केंद्रों (सीएसपी) का उद्घाटन किया, जिससे वंचित आबादी को प्रभावी ढंग से सेवा प्रदान करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को बल मिला। उद्घाटन डीएफएस सचिव श्री एम. नागराजू और एसबीआई के चेयरमैन श्री सीएस शेट्टी की मौजूदगी में हुआ। अपने दौरे के दौरान, वित्त मंत्री ने बैंक की एक विशेष बोर्ड बैठक को भी संबोधित किया। एसबीआई अपने ग्राहकों की पहुंच बढ़ाने और देश भर में बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों तक पहुँचने के लिए अपने शाखा नेटवर्क का विस्तार कर रहा है। इस वित्तीय वर्ष में, बैंक ने बैंकिंग सेवाओं को वंचित समुदायों तक अधिक सुलभ बनाने के लिए प्रमुख क्षेत्रों को रणनीतिक रूप से लक्षित करना जारी रखा है। नागालैंड में पुघोफोटो, ओडिशा में इटामती, केरल में चुल्लीमनूर, आंध्र प्रदेश में पलासमुद्रम और तेलंगाना में चिन्नामबावी जैसे गांवों में शाखाओं का उद्घाटन वित्तीय समावेशन के लिए बैंक की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मेड इन इंडिया, मेड फ़ॉर इंडिया' पर ध्यान केंद्रित करते हुए

- हायर ने नई एसी उत्पादन और इंजेक्शन मोल्डिंग इकाइयों के साथ ग्रेटर नोएडा प्लांट का विस्तार किया

मुंबई एजेंसी। लगातार 16 वर्षों से नंबर 1 वैश्विक प्रमुख उपकरण ब्रांड हायर अप्लायंसेज़ इंडिया ने अभूतपूर्व क्षमताओं के साथ अपने एसी विनिर्माण का विस्तार किया है और ग्रेटर नोएडा के अपने प्लांट में एक नई इंजेक्शन मोल्डिंग सुविधा का उद्घाटन किया है।

भारत में अग्रणी घरेलू उपकरण निर्माताओं में से एक, यह विकास मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया पहल को मज़बूत करने की दिशा में एक और कदम है। इस शिलान्यास समारोह का नेतृत्व उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और हायर अप्लायंसेज़ इंडिया के अध्यक्ष एनएस सतीश ने किया। इस अवसर पर आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रमुख सचिव अनुराग यादव और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ श्री रवि कुमार एनजी भी मौजूद थे। यह उपलब्धि 'मेड इन इंडिया, मेड फ़ॉर इंडिया' के प्रति हायर की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, स्थानीय विनिर्माण को मज़बूत करती है, नवाचार को बढ़ावा देती है और देश के आर्थिक विकास को गति देती है।

मिनिमली इनवेसिव हार्ट सर्जरी स्वस्थ भविष्य की बेहतर उम्मीद: डॉ. दिलीप सिंह राठौड़

भोपाल। हार्ट सर्जरी में एक नई सफलता मरीजों के लिए उम्मीद लेकर आई है, जिससे उनकी रिकवरी का समय कम हो रहा है और वे जल्दी स्वस्थ हो सकते हैं। मिनिमली इनवेसिव कार्डिएक सर्जरी हृदय रोगों के इलाज का तरीका बदल रही है, जिससे गंभीर रूप से बीमार मरीज भी जल्दी ठीक हो सकते हैं। मिनिमली इनवेसिव कार्डिएक सर्जरी एक आधुनिक तकनीक है, जिसमें सर्जन छोटे चीरे के माध्यम से हृदय की सर्जरी करते हैं, बिना स्तन की हड्डी (ब्रेस्टबोन) को काटे। यह तरीका दर्द को काफी कम करता है, संक्रमण के खतरे को घटाता है और अस्पताल में भर्ती रहने के समय को कम कर देता है। मरीजों को तेजी से रिकवरी, कम निशान और सामान्य जीवन में जल्दी रिकवरी का लाभ मिलता है। स्ह्लष्टस्-उन लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है, जिन्हें कई प्रक्रियाओं की जरूरत होती है, क्योंकि इससे अगली सर्जरी से पहले रिकवरी का समय कम हो जाता है। 26 वर्षीय मरीज को गंभीर हृदय और किडनी फेलियर के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें तुरंत आईसीयू में रखा गया और सांस लेने में मदद के लिए वेंटिलेटर पर रखा गया। समस्या का कारण हृदय की एक प्रमुख वाल्व का कठोर और बंद हो जाना था, जिससे सांस फूलना, पैरों में सूजन और हार्ट फेलियर जैसी दिक्कतें हो रही थीं। डॉक्टरों को तुरंत वाल्व बदलना था, लेकिन मरीज को किडनी ट्रांसप्लांट की भी जरूरत थी। आमतौर पर, इतनी बड़ी सर्जरी के बाद पूरी तरह ठीक होने में समय लगता है, जिससे दूसरी प्रक्रिया में देरी हो सकती है। लेकिन इस मामले में इंतजार करना संभव नहीं था। सबसे बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए सर्जरी टीम ने मिनिमली इनवेसिव तकनीक से हृदय वाल्व को बदला।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने नए केंद्र के शुभारंभ के साथ एमपी के गुना में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया

गुना। नीट और जेईई के लिए परीक्षा तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने मध्य प्रदेश राज्य के गुना में लॉन्च की घोषणा करते हुए खुशी व्यक्त की है। इस प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान का उद्घाटन आकाश इंस्टिट्यूट के संभागीय अधिकारी माननीय जीन जॉन थॉमस के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस विस्तार के साथ, श्वस्तु का लक्ष्य क्षेत्र के अधिक छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और विशेषज्ञ

मार्गदर्शन प्रदान करना है। यह कदम शीर्ष स्तरीय तैयारी सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उठाया गया है, ताकि अधिक महत्वाकांक्षी छात्र आकाश इंस्टीट्यूट द्वारा प्रदान की जाने वाली बेहतरीन कोचिंग तक पहुँच सकें। आकाश इंस्टिट्यूट, जो देशभर में अपने बेहतरीन शिक्षण और उत्कृष्ट रिजल्ट के लिए जाना जाता है, अब गुना के छात्रों को भी ह्रश्वश्वभ् और छ्रश्वश्व जैसी कठिन परीक्षाओं की तैयारी में मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इस नए सेंटर के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुभवी फैकल्टी, नवीनतम स्टडी मटेरियल और एडवांस्ड टेस्ट सीरीज का लाभ मिलेगा। लॉन्च के बारे में बात करते हुए, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के डॉ एच आर राव (चीफ एकेडमिक एंड बिजनेस हेड) ने कहा, %हमें गुना में अपने नए केंद्र के उद्घाटन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो हमारे मिशन का एक महत्वपूर्ण कदम है - छात्रों के करीब गुणवत्तापूर्ण कोचिंग लाना।

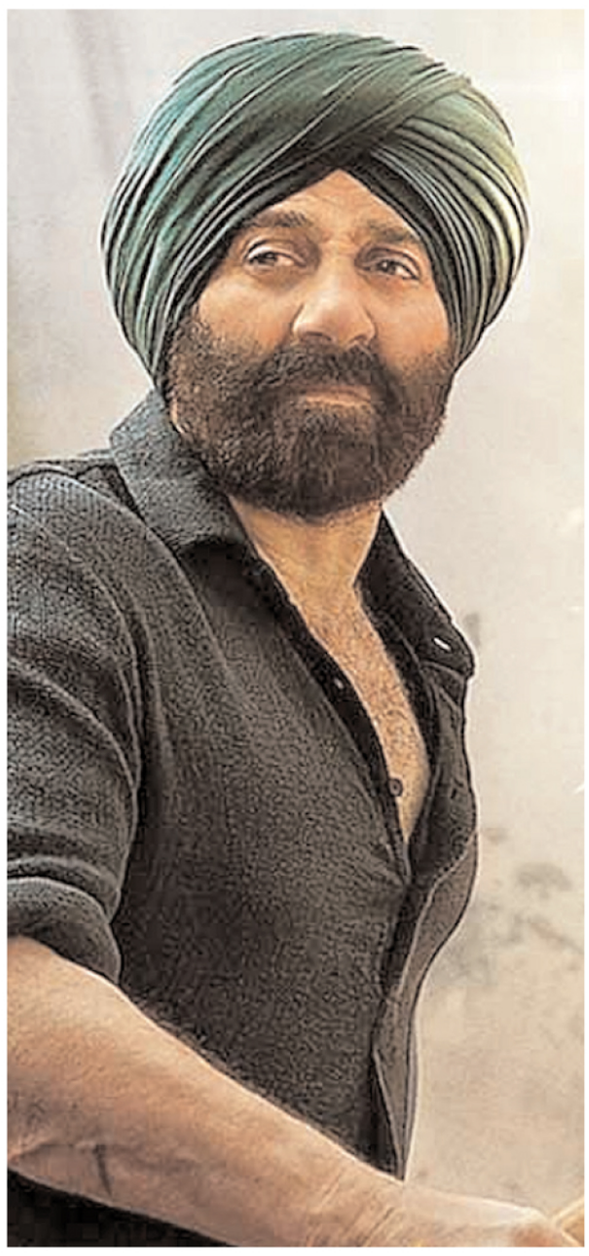

रणदीप हुड्डा से भिड़े सनी देओल, बोले - 'मैं जाट हूं'

अभिनेता रणदीप हुड्डा और सनी देओल स्टारर फिल्म जाट के निर्माताओं ने मंगलवार को एक नया टीज़र जारी किया। इसमें सनी देओल अपने गदर अंदाज में नजर आए। एक्शन से भरे सीन में सनी देओल और रणदीप हुड्डा के बीच जबरदस्त मुकाबला नजर आया।

सनी ने इंस्टाग्राम पर यह टीज़र वीडियो शेयर किया, जिसमें वह दमदार अंदाज में एक हॉल में प्रवेश करते हैं और दुश्मनों को मार गिराते हैं। एक्शन के बीच वह चिल्लाकर कहते हैं - मैं जाट हूं। वहीं, रणदीप हुड्डा भी खलनायक की भूमिका में उम्दा नजर आए।

टीज़र शेयर करते हुए सनी ने कैप्शन में लिखा, बॉक्स ऑफिस पर 'जाट' के वर्चस्व के लिए 30 दिन बाकी हैं। इस बैसाखी पर सिनेमाघरों में आपका मनोरंजन करने के लिए तैयार है। 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले सोमवार को रणदीप ने अपकमिंग फिल्म से अपने खतरनाक किरदार 'रणतुंगा' की झलक दिखाई थी। निर्देशक-अभिनेता गोपीचंद की फिल्म 'जाट' हिंदी के साथ तेलुगू और तमिल में रिलीज होगी। एक्शन एंटरटेनर 'जाट' में अभिनेता सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में उनके साथ रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, रेजिना कैसेंड्रा, सैयामी खेर और स्वरूपा घोष जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत थमन ने दिया है और ऋषि पंजाबी ने सिनेमैटोग्राफी की है। कोरियोग्राफी शोबी पॉलराज ने की है। फिल्म की कहानी को पांच लेखकों की टीम ने तैयार किया है, जिसमें विवेक आनंद, निम्मगड्डा श्रीकांत, श्रीनिवास गविरेड्डी, मयूख आदित्य और कृष्णा हरि का नाम शामिल है। 'जाट' का संपादन नवीन नूली ने किया है। फिल्म में धमाकेदार एक्शन सीक्वेंस हैं, जिसे देश के चार टॉप स्टंट कोरियोग्राफर्स ने तैयार किया है। स्टंट को राम-लक्ष्मण, वी. वेंकट, पीटर हेन और अनल अरासु ने कोरियोग्राफ किया है।

पेरिस में स्टाइलिश नजर आईं दीपिका

रणवीर बोले- 'मुझ पर रहम करो'

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने पेरिस के लुई वुइटन फैशन वीक में शिरकत की। उन्होंने व्हाइट ड्रेस में अपनी बेहद स्टाइलिश और खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की, जिस पर प्यारा कमेंट करने से उनके पति और अभिनेता रणवीर सिंह खुद को रोक नहीं पाए।

वुइटन फैशन वीक में भाग लेने से पहले दीपिका ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में दीपिका पेरिस में एफिल टॉवर के सामने पोज देती नजर आ रही हैं। वह एक पत्थर की रेलिंग पर झुकी हुई दिखाई दे रही हैं, जिसके पीछे आइकॉनिक टावर है। उन्होंने सफेद ओवरसाइज्ड कोट, काले दस्ताने और काले रिबन वाली चौड़ी सफेद टोपी पहनी है। दीपिका की पोस्ट पर उनके प्रशंसकों के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने भी कमेंट किया। हालांकि, इनमें से सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करने वाला कमेंट था दीपिका के पति और अभिनेता रणवीर सिंह का, जिन्होंने एक लाइन में पत्नी के लिए खूबसूरत बात लिखी। दीपिका की तारीफ से मंत्रमुग्ध नजर आए रणवीर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, भगवान मुझ पर रहम करो।

दीपिका और रणवीर ने साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला की शूटिंग के दौरान एक-दूसरे के करीब आए थे। लंबे समय तक साथ रहने के बाद दोनों ने साल 2018 में शादी कर ली। उन्होंने इटली के लेक कोमो में शादी की थी। उन्होंने दक्षिण भारतीय और सिंधी दोनों रीति-रिवाज के साथ शादी की थी। शादी के 6 साल बाद दोनों पेरेंट्स बने। दीपिका ने 8 सितंबर, 2024 को बेटी को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने दुआ पादुकोण सिंह रखा है।

कर्नाटक के मंदिर में कैटरीना कैफ ने की सर्प संस्कार पूजा

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने मंगलवार को कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में श्री कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर में पूजा-अर्चना की। यह पूजा दो दिनों तक चलेगी।

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने कनार्टक के श्री कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर में पूजा-अर्चना की और साथ ही उन्होंने वहां पर आज सर्प संस्कार पूजा में हिस्सा भी लिया। जानिए आखिर क्यों की कैटरीना ने सर्प संस्कार पूजा। मंदिर अधिकारियों ने बताया कैटरीना अपने दोस्तों के साथ आज मंदिर पहुंचीं और वहां पर उन्होंने सर्प संस्कार पूजा की, जो आमतौर पर किसी की संपत्ति पर या फिर किसी के पूर्वजों द्वारा नाग देवता की मृत्यु के प्रायश्चित के रूप में की जाती है।

कितने दिन की होती है सर्प संस्कार पूजा

सर्प संस्कार पूजा लगभग दो दिनों तक चलती है। कैटरीना ने आज यह पूजा मंगलवार को शुरू की थी और अब वह बुधवार को भी इसे जारी रखेंगी। यह पूजा लगभग चार से पांच घंटे तक चलती है।

कहां ठहरेंगी कैटरीना

कैटरीना को सर्प संस्कार पूजा में दो दिन लगेंगे इसलिए वह मंदिर के वीआईपी गेस्ट हाउस में रुकेंगी। आज मंगलावर को पूजा की शुरुआत हो चुकी है और यह पूजा कल बुधवार दोपहर 2 बजे तक पूरी होने की उम्मीद है।

क्या है सर्प संस्कार पूजा

कथित तौर पर सर्प दोष वाले लोगों द्वारा सर्प संस्कार किया जाता है। इस मंदिर में सर्प दोष से छुटकारा पाने के लिए भक्तों द्वारा की जाने वाली पूजा में से एक है सर्प संस्कार की पूजा होती है। सर्प संस्कार सेवा वाले भक्तों को दो दिनों तक रहने की आवश्यकता होती है। सेवा केवल दिन में होती है और शाम को कोई विशेष पूजा नहीं होती है।

हिंदी सिनेमा में वापसी कर ज्योतिका खुश

हाल ही में ज्योतिका वेब सीरीज डब्बा कार्टेल में नजर आई हैं। इस सीरीज को लेकर हाल ही में उन्होंने खुलकर बात की। साउथ की मशहूर अभिनेत्री ज्योतिका हिंदी सिनेमा में वापसी करके काफी खुश हैं। उनके मुताबिक यह समय महिलाओं के लिए खास है, क्योंकि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उन्हें अच्छे और मजबूत किरदार निभाने का मौका मिल रहा है। ज्योतिका ने 2024 में सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म शैतान से हिंदी सिनेमा में वापसी की थी। यह उनकी पहली फिल्म डोली सजा के रखना (1998) के 26 साल बाद रिलीज हुई थी।

25 साल से ज्यादा के बाद हिंदी सिनेमा में हुई वापसी

ज्योतिका ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा, हिंदी सिनेमा में वापसी के लिए मुझे 25 साल लग गए। आज ओटीटी का दौर है। इसमें हर उम्र की महिलाओं को शानदार काम मिल रहा है। मुझे अलग-अलग भाषाओं के कलाकारों के साथ मौका मिल रहा है। मैं अपनी जिंदगी की राह पहले से तय नहीं करती, बस बहाव के साथ चलती हूं। यह सफर सचमुच बहुत खूबसूरत है।

डब्बा कार्टेल की वजह से सुर्खियों में हैं ज्योतिका

ज्योतिका इन दिनों नेटफ्लिक्स की क्राइम सीरीज डब्बा कार्टेल में नजर आ रही हैं। शबाना आजमी, निमिशा सजयन, अंजलि आनंद, साई ताम्हणकर और लिलेट दुबे भी हैं। हितेश भाटिया के निर्देशन में बनी यह सीरीज पांच आम महिलाओं की कहानी है। ये महिलाएं एक साधारण डब्बा सर्विस चलाती हैं, जो धीरे-धीरे एक खतरनाक ड्रग डिलीवरी ऑपरेशन में बदल जाती है।

किरदार से खुद को जुड़ा किया महसूस: 46 साल की ज्योतिका ने कहा कि उन्हें अपने किरदार वरुणा से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। वरुणा एक ऐसी महिला है जो पहले कॉर्पोरेट की बड़ी दुनिया में थी और बाद में कपड़ों का बिजनेस शुरू करने का सपना देखती है। ज्योतिका ने कहा, यह किरदार एक आम महिला की तरह दिखता है। वास्तविकता से भरे किरदार निभाना मुश्किल होता है, क्योंकि इनमें आप खुद को देखते हैं। मुझे ऐसे रोल आकर्षित करते हैं जो सच के करीब हों। हालांकि, ऐसे किरदार अच्छे लिखे हुए कम ही मिलते हैं।

रोहित शेट्टी के शो में मल्लिका शेरावत की एंट्री?

नए सीजन में खतरों से खेलेंगी एक्ट्रेस!

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत को साल 2004 में रिलीज हुई मर्डर फिल्म से रातोंरात शोहरत मिली थी। इसमें वो इमरान हाशमी के साथ नजर आई थीं। इंडस्ट्री में लंबे समय तक काम किया तो ब्रेक भी लिया। उन्होंने 2024 में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से कमबैक किया। अब कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि वो स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आ सकती हैं, जिसे रोहित शेट्टी होस्ट करते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मल्लिका को पहले भी खतरों के खिलाड़ी 15 का ऑफर दिया गया था, लेकिन पहले के कुछ कमिटमेंट के कारण वो इसमें हिस्सा नहीं ले पाई थीं। हालांकि, इस साल उनकी तरफ से चीजें पॉजिटिव दिख रही हैं। हालांकि, अभी तक ऑफिशियली ऐलान नहीं हुआ है। मल्लिका के अलावा एल्विश यादव, अविनाश मिश्रा, ओरी, दिग्विजय सिंह राठी, ईशा सिंह, चुम दरांग, सिद्धार्थ निगम, बसीर अली, गुल्की जोशी और भाविका शर्मा सहित कई अन्य हस्तियां शामिल हो सकती हैं। मोहसिन खान से शो का हिस्सा बनने के लिए संपर्क किया गया है।

कब शुरू होगा खतरों के खिलाड़ी 15

रिपोर्ट्स के मुताबिक, खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग मई 2025 में शुरू होने वाली है और इस साल जून या जुलाई के आसपास इसका प्रीमियर होने की उम्मीद है। आप इस शो को कलर्स चैनल और जियो सिनेमा ऐप पर देख सकते हैं। बीते सीजन की बात करें तो इसे करण वीर मेहरा ने जीता था।

इन फिल्मों में नजर आ चुकी हैं मल्लिका

मल्लिका की बात करें तो उन्होंने प्यार के साइड इफेक्ट्स, वेलकम, हिस्स और डबल धमाल जैसी फिल्मों में काम किया है।

ऑस्ट्रेलिया टूर पर पहली बार अनुष्का को साथ ले जाने के लिए विराट ने की थी गुजरिश, हो गया था कमाल

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के बीच सालों से बहुत अच्छे रिश्ते हैं। अनुष्का शर्मा क्रिकेटर विराट कोहली की बड़ी फैन हैं। उनका रिश्ता प्यार और एक दूसरे को इज्जत देने वाला है। विराट कोहली मानते हैं कि उनकी जिंदगी पर अनुष्का शर्मा की छाप है। चैंम्पियंस ट्रॉफी में 9 मार्च 2025 को जब भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज की तो विराट कोहली अनुष्का शर्मा को हग करने के लिए दोड़े। शादी से पहले भी अनुष्का शर्मा विराट कोहली को सपोर्ट करती थीं और वह अच्छा खेलते थे। रवी शास्त्री ने फॉक्स क्रिकेट के साथ बातचीत में उस वक्त को याद किया जब उनकी भारतीय टीम 2014-15 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जा रही थी। रवि के मुताबिक उस वक्त विराट कोहली अनुष्का को डेट कर रहे थे। उन्होंने हमसे गुजारिश की कि दौरे पर उनके साथ अनुष्का को जाने की इजाजत दी जाए। उस वक्त बीसीसीआई का नियम था कि क्रिकेटर्स के साथ सिर्फ उनकी पत्नियां जा सकती थीं, गर्लफ्रेंड नहीं। इसके बाद शास्त्री ने मामले में दखल दिया और उन्होंने जरूरी फोन किए। इसके बाद उन्होंने ये इतमिनान दिलाया कि विराट के साथ अनुष्का जाएंगी।

दो पार्ट में रिलीज होगी नानी की द पैराडाइज?

साउथ अभिनेता नानी इन दिनों अपनी फिल्म द पैराडाइज को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म नानी की अब तक की सबसे बड़ी और महंगी फिल्म होगी। फिल्म को लेकर अब एक ताजा जानकारी सामने आई है कि द पैराडाइज दो भागों में रिलीज की जाएगी, जिसे सुनने के बाद नानी के प्रशंसक द पैराडाइज को लेकर बेहद खुश और उत्साहित हैं। द पैराडाइज को श्रीकांत ओडेला निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म की पहली झलक ने ही प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता पैदा कर दी है। फिल्म के पोस्ट में नानी का लुक अभी तक की उनकी सभी फिल्मों से बिल्कुल अलग नजर आया। यही वजह है कि नानी के प्रशंसकों को इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है, ताकि वह अपने पसंदीदा अभिनेता को एक अलग रूप में देख सकें। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू में नानी ने अपनी फिल्म द पैराडाइज को मैड मैक्स का भारतीय रूप बताया। वहीं अब ताजा जानकारी के अनुसार, कई बड़े बजट फिल्मों की तरह द पैराडाइज को भी दो भागों में बनाया जाएगा। पहला पार्ट 26 मार्च, 2026 को रिलीज होगा, जबकि इसका दूसरा भाग ज्यादा समय ले सकता है।

साभार एजेंसी

विराट कोहली हैं कारण 14 वर्षीय लड़की की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते रविवार, 9 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल खेला गया था, जिसमें भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर इतिहास रचा था. वह मुकाबला दुबई में खेला गया, लेकिन उसका असर भारत के उत्तर प्रदेश में देखने को मिला है. यह मामला उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले का है, जहां विराट कोहली के आउट होने से एक लड़की को ऐसा सदमा लगा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई. चश्मदीद गवाहों के अनुसार जब विराट फाइनल में मात्र एक रन बनाकर आउट हुए, तो 14 वर्षीय प्रियांशी बेहोश हो गई थी. विराट कोहली के आउट होने का गहरा सदमा एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रियांशी अपने परिवार के साथ भारत-न्यूजीलैंड फाइनल मैच देख रही थी.

प्रियांशी के पिता का नाम अजय पांडे है और वे सभी टीम इंडिया के समर्थन में बहुत उत्साह से भरे हुए थे. जब विराट कोहली फाइनल में 1 रन बनाकर आउट हुए तो प्रियांशी पहले बेहोश हो गई और फिर हार्ट अटैक आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई. डॉक्टरों ने पुष्टि कर बताया कि प्रियांशी की मौत का कारण हार्ट अटैक ही था. प्रियांशी के पिता अजय पांडे पहली पारी के समाप्त होने के बाद बाजार चले गए थे. जब दूसरी पारी शुरू हुई तो प्रियांशी और परिवार के अन्य सदस्य मैच का लुत्फ उठाने लगे. जैसे ही फोन के माध्यम से अजय पांडे को प्रियांशी के बेहोश होने की खबर पता चली, वो तेजी से घर आए और बेटी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया. 14 साल की प्रियांशी को अस्पताल पहुंचने के बाद मृत घोषित कर दिया गया. अजय पांडे ने अपनी बेटी का पोस्ट-मार्टम नहीं करवाया. घर वापसी के बाद प्रियांशी का दाह संस्कार किया गया.

मौत से क्रिकेट का कनेक्शन

प्रियांशी के पिता अजय पांडे का मानना है कि उनकी बेटी की मौत क्रिकेट मैच के कारण नहीं हुई है. उन्होंने साफ तौर पर कहा कि क्रिकेट और उनकी बेटी की अचानक मौत का कोई कनेक्शन नहीं है. वहीं उनके एक पड़ोसी अमित चंद्रा ने बताया कि जब प्रियांशी को हार्ट अटैक आया, तब भारतीय टीम किसी भी दृष्टि से खराब नहीं खेल रही थी और ना ही कोई विकेट गंवाया था. चंद्रा ने यह तक कहा कि प्रियांशी की तबीयत बिगड़ने के समय विराट कोहली बैटिंग करने आए ही नहीं थे.

यह करियर खत्म करने वाला हो सकता है

शेन बॉन्ड की जसप्रीत बुमराह को चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज और मुंबई इंडियंस (एमआई) के पूर्व गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने कहा कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सर्जरी जिस जगह हुई थी, उसी जगह पर एक और चोट लगने से उनका करियर खत्म हो सकता है और उन्होंने कहा कि भविष्य में वह उन्हें एक बार में दो से ज़्यादा टेस्ट मैच खेलते हुए नहीं देखना चाहेंगे।

बुमराह पीठ के निचले हिस्से में चोट से जूझ रहे हैं, जिसकी वजह से वह रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के लिए मशहूर अभियान से बाहर हो गए। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली द्वारा राष्ट्रीय खजाना कहे जाने वाले इस गेंदबाज ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के दौरान भारत के लिए अकेले संघर्ष किया, जिसमें उन्होंने पांच मैचों में 32 विकेट लिए, इससे पहले इस साल जनवरी में सिडनी में अंतिम टेस्ट मैच में वह तनाव से संबंधित चोट से पीड़ित हो गए थे। उन्होंने तब से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है और भारत के विजयी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अभियान को भी मिस किया है।

बुमराह बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैब पूरा कर रहे हैं और 22 मार्च से शुरू होने वाले आगामी इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान मुंबई इंडियंस के लिए उनकी उपलब्धता पर कोई स्पष्टता नहीं है। बुमराह को पहली बार पीठ में चोट नहीं लगी है, क्योंकि मार्च 2023 में उनकी इसके लिए सर्जरी हुई थी। शेन

बॉन्ड ने पहले स्ब्बू के साथ गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया था और वर्तमान में राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह के कार्यभार को एक और चोट से बचने के लिए सावधानीपूर्वक प्रबंधन की आवश्यकता है। बुमराह के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, जब वह स्कैन के लिए सिडनी गए थे, तो कुछ संदेश आ रहे थे कि उन्हें मोच और इस तरह की अन्य चीजें हैं। मुझे चिंता थी कि यह मोच नहीं होगी, यह उस क्षेत्र (पीठ) के आसपास की हड्डी की चोट हो सकती है। मुझे लगा कि अगर ऐसा था तो वह चैंपियंस ट्रॉफी में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर सकते हैं।

बॉन्ड ने इस बात पर प्रकाश डाला कि टी20 से टेस्ट क्रिकेट में तेजी से बदलाव में खतरे का क्षेत्र है। पूर्व तेज गेंदबाज ने इसे एक चुनौती के रूप में उजागर किया क्योंकि भारत 25 मई को आईपीएल समाप्त होने के बमुश्किल एक महीने बाद पांच टेस्ट मैचों के लिए इंग्लैंड दौरे की तैयारी कर रहा है। बॉन्ड ने कहा, देखिए, मुझे लगता है कि बूम ठीक हो जाएंगे, लेकिन यह सिर्फ (कार्यभार) प्रबंधन (मायने रखता है)। दौरों और आगे के कार्यक्रम को देखते हुए उन्हें आराम देने के अवसर कहां हैं, लेकिन वास्तव में खतरे की अवधि कहां है? और अक्सर ऐसा होता है कि आईपीएल से टेस्ट चैंपियनशिप में बदलाव एक जोखिम होगा। उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, आप जहां भी जाते हैं, खासकर टी20 से टेस्ट मैच में, यह चुनौतीपूर्ण होता है। अगर आप एकदिवसीय श्रृंखला खेल रहे हैं, तो यह आम तौर पर बहुत बुरा नहीं होता है। आप सप्ताह में तीन मैच खेलेंगे, आपको अभ्यास करना होगा, आप लगभग 40 ओवर (रेंज) में होंगे, यह वैसे भी टेस्ट मैच के सप्ताह के काफी करीब है। लेकिन टी20 में खासकर आईपीएल में जब आप सप्ताह में तीन मैच खेल रहे होते हैं, तो दो दिन की यात्रा होती है, आपको एक प्रशिक्षण सत्र मिल सकता है, अगर आप भाग्यशाली हैं तो आप 20 ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं। यह टेस्ट मैच के आधे या आधे से भी कम लोड के बराबर है, जो तब एक बड़ी छलांग है और आप लगातार दो दिन गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। जब आप इससे बाहर निकलते हैं तो यह एक बड़ी छलांग है।

स्वितोलिना, एंड्रीवा, स्वीयाटेक इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन की 23वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने बारिश का सामना करते हुए 5-7, 6-1, 6-2 से नंबर 4 वरीयता प्राप्त अमेरिकी जेसिका पेगुला को हराकर इंडियन वेल्स ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पूर्व इंडियन वेल्स सेमीफाइनलिस्ट ने अपनी शुरुआती असफलताओं को भुलाकर मैच को अपने पक्ष में मोड़ दिया और अंतिम 15 गेम में से 12 गेम जीतकर अपने 21वें डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जो 2021 के बाद से उनका पहला मैच था। कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में धुंध भरे दिन पर, स्वितोलिना और पेगुला को तीसरे सेट के पहले गेम के बाद बारिश के कारण लंबे समय तक खेल में देरी का सामना करना पड़ा।

यह स्वितोलिना ही थी जो बीच में अपनी आंखों में आग लेकर वापस आई। उसने पेगुला को पीछे धकेल दिया और जीत के साथ आगे निकल गई। पेगुला ने इस महीने की शुरुआत में ऑस्टिन खिताब जीतने के बाद इंडियन वेल्स में प्रवेश किया, लेकिन स्वितोलिना शीर्ष पर रही, जिसने अपने करियर की आठ भिड़ंत में पेगुला

पर अपनी तीसरी जीत हासिल की। स्वितोलिना, जो 2019 के बाद पहली बार टेनिस पैराडाइज में क्वार्टर फाइनल में है, का सामना मीरा एंड्रीवा से होगा, जिसने तीन सप्ताह में दूसरी बार एलेना रिबाकिना को 6-1, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

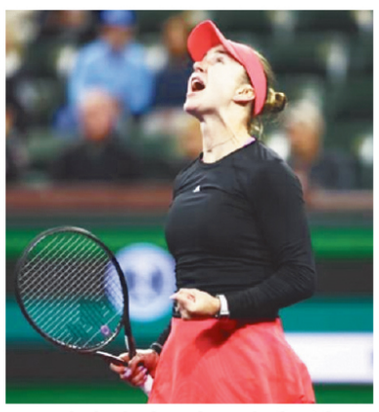

17 वर्षीय रूसी एंड्रीवा का रेगिस्तान में यह सफर दुबई चैंपियनशिप में अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतने के तुरंत बाद शुरू हुआ, जिसने उन्हें 2007 के बाद से शीर्ष 10 में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बना दिया। इससे पहले, इगा स्वीयाटेक ने 15वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिन मुचोवा को 6-1, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पोल ने तीन राउंड में केवल छह गेम गंवाए हैं, जो मोनिका सेलेस के इंडियन वेल्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के दौरान सबसे कम गेम गंवाने के रिकॉर्ड की बराबरी करता है, जिसमें कम से कम तीन मैच खेले गए हैं। इस प्रक्रिया में, स्वीयाटेक तीन इंडियन वेल्स ओपन खिताब जीतने वाली पहली महिला बनने की अपनी दावेदारी को और मजबूत कर रही हैं, और 1991 में मार्टिना नवरातिलोवा के बाद से यहां खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली महिला बनेंगी।

1989 में इस आयोजन के उद्घाटन के बाद से, मोनिका सेलेस ने इंडियन वेल्स में महिला एकल खिताब के लिए सबसे कम गेम गंवाए हैं, 1992 में (पांच मैचों में) केवल 12 गेम गंवाए थे। अगर किसी खिलाड़ी के पास इस अविश्वसनीय उपलब्धि की बराबरी करने का मौका है, तो वह स्वीयाटेक ही होंगी।

मैं हरभजन सिंह के साथ काम नहीं करना चाहता: जतिन सप्रू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए जतिन सपरू कोई अनजाना नाम नहीं है। वह

सालों से क्रिकेट बॉडकास्टर्स से जुड़े हुए हैं और लगभग हर बड़े मैच के दौरान वह टीवी स्क्रीन पर नजर आते रहे हैं। उन्होंने सुनील गावस्कर से लेकर हरभजन सिंह जैसे खिलाड़ियो के साथ कमेंट्री की है। हालांकि मंगलवार को उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के साथ यह अपील की कि वह हरभजन सिंह के साथ काम नहीं करना चाहते। पहले जतिन सप्रू ने अपने इंस्टाग्राम के जरिए एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, सम्मान के साथ, संबंधित प्राधिकारी से मेरा अनुरोध है कि आगे से मुझे भज्जी सर के साथ पार्टनर ना करें। उन्होंने मुझे बोलने का मौका ही नहीं दिया। मुझे नहीं लगता कि यह ठीक है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मैं अपने पार्टनर के खिलाफ यह लिख रहा हूं लेकिन हरभजन सिंह ने मेरे पास कोई और विकल्प नहीं छोड़ा है।' हरभजन सिंह भी इस आरोप पर शांत नहीं रहा। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, जतिन का ये आरोप कि मैंने उसे कुछ बोलने नहीं दिया बिल्कुल झूठ है। भज्जी ने आगे लिखा, मैं हमारी फुटेज पब्लिक करने की अपील करता हूं, ताकि सच लोगों तक पहुंच सके। यह पूरा मामला क्या है इसे लेकर यूजर्स भी अलग-अलग अंदाजे लगा हैं। कई लोग इसे मार्केटिंग स्ट्रेटिजी कह रहे हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि दोनों के बीच कोई समस्या चल रही है।

गौतम गंभीर ने तैयार किया रोडमैप

IPL 2025 के दौरान करेंगे यह बड़ा काम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम अभी दुबई में तिरंगा लहरा कर आई है. उसने न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता है. अब अगले करीब 2 महीने तक टीम इंडिया को कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेलना है, क्योंकि 22 मार्च-25 मई तक पूरा भारतवर्ष आईपीएल2025 के रोमांच का आनंद ले रहा होगा. इस बीच खबर सामने आई है कि टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड रवाना होने वाले हैं. बता दें कि जून-जुलाई के महीने में भारत को इंग्लैंड के साथ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है. 20 जून को भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले गौतम गंभीर इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड का दौरा करके आएंगे. यह गौर करने वाली बात है कि इंडिया ए टीम के पास कोई कोच नहीं है, ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि गौतम गंभीर केवल एक समीक्षक के रूप में इंडिया ए टीम के साथ जाएंगे या फिर वीवीएस लक्ष्मण इस टीम के कोच होने का पदभार संभालेंगे. बताते चलें कि लक्ष्मण अभी नेशनल क्रिकेट अकादमी में हेड ऑफ क्रिकेट के पद पर कार्यरत हैं. गंभीर यदि इंग्लैंड जाते हैं तो यह किसी विदेशी दौरे पर पहली बार होगा जब इंडिया ए के साथ सीनियर टीम का कोच मौजूदा रहेगा.

रोडमैप तैयार कर रहे गौतम गंभीर

सूत्रों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापस आने के बाद गौतम गंभीर लगातार बीसीसीआई अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे हैं. गंभीर ने खुद इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड जाने की इच्छा जाहिर की है, जिससे उन्हें रिजर्व खिलाड़ियों का भी एक आइडिया मिल सके. इसके अलावा गंभीर ने अभी से अगले 2 साल का रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया है. बता दें कि अगले 2 साल के भीतर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप, 2026 टी20 वर्ल्ड कप और 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप भी खेला जाना है.

संन्यास लेने से पहले रोहित की नजर वनडे विश्व कप खिताब पर होगी: रिकी पोंटिंग

दुबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी रिकी पोंटिंग का मानना है कि रोहित शर्मा अब भी दमदार खिलाड़ी हैं तथा वह 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप तक भारतीय टीम का नेतृत्व करना जारी रख सकते हैं। रोहित की कप्तानी में भारत ने वनडे विश्व कप को छोड़कर आईसीसी के बाकी टूर्नामेंट जीते हैं।

उनकी अगुवाई में भारतीय टीम 2023 में घरेलू धरती पर खेले गए वनडे विश्व कप को जीतने के करीब पहुंची थी लेकिन फाइनल में उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा कि रोहित अपने भविष्य के लक्ष्यों को लेकर काफी हद तक स्पष्ट हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, 'जब आप अपने करियर के इस पड़ाव के करीब पहुंचते हैं तो हर कोई आपके संन्यास लेने का इंतजार कर रहा होता है। मैं नहीं जानता कि ऐसा क्यों होता है। वह भी तब जबकि आप अच्छा खेल रहे हो जैसा कि उन्होंने (चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में) अच्छी पारी खेली थी। पोंटिंग ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह उन सवालों को हमेशा के लिए खत्म करने की कोशिश कर रहे थे और कह रहे थे, नहीं, मैं अब भी काफी अच्छा खेल रहा हूं।

मुझे इस टीम में खेलना पसंद है। मुझे इस टीम का नेतृत्व करना पसंद है। पोंटिंग ने कहा, 'मेरे लिए इसका मतलब यह है कि उनके मन में 2027 में होने वाले अगले वनडे विश्व कप में खेलना लक्ष्य होना चाहिए। रोहित ने 2021 में 34 वर्ष की उम्र में भारतीय टीम की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में भारत ने रविवार को यहां खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इससे पहले भारत ने पिछले साल रोहित की कप्तानी में ही वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 252 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित की 83 गेंद पर खेली गई 76 रन की पारी की मदद से आसन जीत हासिल की।

आईपीएल 2025:

बुमराह- पंड्या के फैन्स को झटका, नहीं खेलेंगे आईपीएल के शुरुआती मैच...

ये पेस बैटरी भी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 की शुरुआत में अब चंद दिन बचे हैं. चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद अब दर्शकों पर आईपीएल का खुमार छाएगा. आईपीएल की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है, जिसका ओपनिंग मैच मौजूदा चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होगा.

यह उद्घाटन मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में होगा. लेकिन शुरुआती मुकाबलों को लेकर कुछ अपडेट हैं. जसप्रीत बुमराह, पंड्या के बाद अब ताजा नाम लखनऊ सुपर जायंट्स टीम के तेज गेंदबाज मयंक यादव का शामिल हुआ है. यह वह खिलाड़ी है, जो शुरुआती मुकाबले या शुरुआती हाफ में नहीं खेलेगा. वहीं, पंड्या क्यों बाहर रहेंगे, इसकी वजह आईपीएल 2024 से जुड़ी हुई है. मयंक यादव आईपीएल 2025 के पहले हाफ में नहीं खेल पाएंगे. क्रिकइंफो के अनुसार, मयंक यादव कमर की चोट से उबर रहे हैं. मयंक ने हाल ही में बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में गेंदबाजी शुरू की है. वह पिछले अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत के लिए डेब्यू के बाद इंजर्ड हो गए थे. मयंक के कमबैक के लिए बीसीसीआई ने अभी तक कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है, लेकिन अगर वह अपने बॉलिंग वर्कलोड के साथ फिटनेस मापदंडों को पूरा करते हैं, तो वह आईपीएल के दूसरे हाफ में खेल सकते हैं.

टूर्नामेंट के पहले हाफ में मयंक की अनुपलब्धता लखनऊ के लिए झटका है, जिसने उन्हें मेगा नीलामी से पहले 11 करोड़ रुपये (लगभग 1.31 मिलियन डॉलर) में रिटेन किया था. जबकि 2024 सीजन से पहले उन्हें एक अनकैप्ड गेंदबाज के रूप में 20 लाख रुपये में खरीदा गया था. मयंक को इतनी ज्यादा कीमत उनकी गेंदबाजी के कारण मिली, उन्होंने आईपलएल 2024 में लगातार 150 किमी प्रति घंटे की स्पीड से गेंदें फेंकी थीं. इसी वजह से उनको आईपीएल में अपने पहले दो मैचों में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला था.

उनकी प्रतिभा को देखकर नेशनल सेलेक्टर्स ने मयंक को फास्ट बॉलिंग कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में शामिल किया था. मयंक का आईपीएल 2024 में सफर केवल 4 मैचों तक था, रिहैब के दौरान, मयंक को एक अलग चोट लग गई, जिससे उनकी वापसी में देरी हुई, लेकिन उन्होंने अंततः बांग्लादेश के खिलाफ टी20 मुकाबला खेला और डेब्यू किया.

आईपीएल 2025 से पहले कोलकाता पहुंचे नाइट राइडर्स

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले अपने अंतिम प्री-सीजन कैंप की शुरुआत करने के लिए सिटी ऑफ जॉय पहुंचे। 12 मार्च से प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में होने वाला यह कैंप सीजन ओपनर से पहले टीम की तैयारी का आखिरी चरण होगा।

प्री-सीजन कैंप में नए कप्तान और मजबूत कोचिंग स्टाफ के नेतृत्व में रणनीति को बेहतर बनाने और टीम के तालमेल को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा। हेड कोच चंद्रकांत पंडित के नेतृत्व में, सहायक कोच के रूप में ओटिस गिब्सन और टीम के मेंटर के रूप में डीजे ब्रावो के शामिल होने से कोलकाता नाइट राइडर्स के आईपीएल 2025 अभियान में नई ऊर्जा आएगी। गत चैंपियन 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेंगे।

केकेआर ने आईपीएल फाइनल में चार बार भाग लिया है, जिसमें से तीन बार (2012, 2014, 2024) चैंपियनशिप जीती है। वे 2021 सीजन में उपविजेता रहे, जिसने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे बेहतरीन वापसी की। नाइट राइडर्स द्वारा फ्रैंचाइज़ी संभालने के बाद से टीकेआर पुरुष टीम ने 10 वर्षों में चार बार सीपीएल चैंपियनशिप जीती है।

वह कैरिबियन की सबसे सफल टीम है और पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम हारे बिना 2020 में ट्रॉफी जीतने का बेहतरीन रिकॉर्ड उनके नाम है। नाइट राइडर्स की पहली महिला टीम टीकेआर 2022 में उद्घाटन डब्ल्यूसीपीएल की चैंपियन थी।

कांशीराम जयंती पर मायावती ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने कांशीराम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और बसपा शासनकाल की उपलब्धियों का बखान किया। उन्होंने अन्य दलों के दावों को खोखला बताया और बहुजन समाज से से अपनी ताकत पहचानकर सत्ता हासिल करने का आह्वान किया। कांशीराम का जन्म 15 मार्च 1934 को हुआ था और उन्होंने 14 अप्रैल 1984 को बसपा की स्थापना की थी।

शनिवार को कांशीराम की जयंती पर मायावती ने 'एक्स' पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने देशभर के बसपा कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया जिन्होंने कांशीराम को याद किया और उनके मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। मायावती ने कांशीराम के सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति के आंदोलन को मजबूत करने की अपील की। मायावती ने कहा कि बहुजन समाज गरीबी, बेरोजगारी, शोषण, अत्याचार, पिछड़ेपन, जातिवाद, सांप्रदायिक हिंसा जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। इन समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए उन्हें अपने वोट की ताकत समझनी होगी। उन्हें सत्ता की चाबी खुद हासिल करनी होगी। यही कांशीराम का संदेश है। मायावती ने कहा, 'बहुजन समाज को अपार गरीबी, बेरोजगारी, शोषण, अत्याचार, पिछड़ेपन, जातिवाद, सांप्रदायिक हिंसा व तनाव आदि के त्रस्त जीवन से मुक्ति के लिए अपने कीमती वोट की ताकत को समझकर अपना उद्धार स्वयं करने योग्य बनने हेतु सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करना जरूरी है, यही आज के दिन का उच्च संदेश है।'

मायावती ने उत्तर प्रदेश की जनता को याद दिलाया कि बसपा सरकार ने बहुजनों का विकास किया और उनके अच्छे दिन लाए। उन्होंने कहा कि बसपा का नेतृत्व काम करने में विश्वास रखता है, सिर्फ़ बातें नहीं करता। दूसरी पार्टियों के दावे झूठे और छलावा हैं। उन्होंने कहा, 'यूपी की विशाल आबादी को अनुभव है कि बीएसपी का आयरन लेडी नेतृत्व कथनी में कम व करनी में ज़्यादा विश्वास रखता है और अपने शासनकाल में बहुजनों का सर्वांगीण विकास करके उनके काफी अच्छे दिन लाकर दिखाए भी हैं, जबकि दूसरी पार्टियों की सरकारों की अधिकतर बातें व दावे हवा हवाई व छलावा हैं।'

कर्नाटक के DGP रामचंद्र को भेजा जबरन छुट्टी पर

बेंगलुरु। कर्नाटक पुलिस के एक बड़े अफसर डीजीपी के रामचंद्र राव को सरकार ने जबरन छुट्टी पर भेज दिया है। उनकी बेटी रान्या राव सोने की तस्करी के मामले में गिरफ्तार हुई थीं। राव पर आरोप है कि उन्होंने अपनी बेटी के लिए पुलिस प्रोटोकॉल का गलत इस्तेमाल किया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। सीबीआई भी इस मामले की जांच कर रही है और इसमें शामिल नेताओं की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है।

कौन हैं रामचंद्र राव?

दरअसल के रामचंद्र राव कर्नाटक पुलिस हाउसिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के सीएमडी हैं। फिलहाल सरकार ने उनको अनिवार्य अवकाश पर भेज दिया गया है। अतिरिक्त डीजीपी शरत चंद्र अब उनके कार्यभार को संभालेंगे। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की ओर से उच्च-स्तरीय जांच के आदेश के बाद हुई है। यह जांच राव की भूमिका की पड़ताल करेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी 31 साल की अभिनेत्री बेटी रान्या राव नियमित रूप से बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पुलिस सुरक्षा का इस्तेमाल करती थीं। वह विदेश यात्राओं से लौटते समय पुलिसवालों से एस्कॉर्ट करवाती थीं और सरकारी गाड़ियों का इस्तेमाल करती थीं।

क्या है मामला?

3 मार्च को जब राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) के अधिकारियों ने रान्या राव को हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया, तब भी पुलिसकर्मी उन्हें ले जाने के लिए इंतज़ार कर रहे थे और एक सरकारी गाड़ी उन्हें घर ले जाने के लिए तैयार थी। अभिनेत्री के शरीर पर 17 सोने की छड़ें बंधी हुई थीं जब DRI अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में लिया। उन्होंने हाल के हफ्तों में दुबई की लगभग 30 यात्राएं की थीं। इससे DRI अधिकारियों को इन लगातार यात्राओं के उद्देश्य पर संदेह हुआ।

कर्नाटक पुलिस की छवि पर बड़ा धब्बा है यह केस

मुख्यमंत्री का जांच का आदेश देना ऐसे समय में आया है जब राज्य पुलिस पर आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने अपने लोगों और गाड़ियों को एक प्रभावशाली व्यक्ति को अवैध गतिविधि करने की अनुमति दी। सीबीआई ने एक मामला दर्ज किया है और सोने की तस्करी के रैकेट की जांच कर रही है। साथ ही वे इसमें शामिल नेताओं की भूमिका की भी जांच कर रहे हैं। DRI ने बेंगलुरु के एक जाने-माने व्यापारी के पोते तरुण राजू को भी गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि उसने दुबई में अभिनेत्री के लिए सोना खरीदने में मदद की। यह मामला कर्नाटक पुलिस की छवि पर एक बड़ा धब्बा है। देखना होगा कि जांच में क्या सामने आता है।

JJM में पूरे गांव को पानी का कनेक्शन न मिलने पर भड़के मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत

जोधपुर। राजस्थान में जल जीवन मिशन के तहत लोगों के घरों तक पानी पहुंचाने का बहुत तेजी के साथ काम चल रहा है। कुछ जिलों में काम चल रहा है तो कुछ जिले के कई गांवों में पानी पहुंचाने का काम 100 प्रतिशत पूरा हो गया है। हालांकि, जोधपुर में आने वाले बावड़ी क्षेत्र के अणवाणा गांव में जलजीवन मिशन (JJM) के तहत हर घर जल योजना के तहत एक भी नल नहीं पहुंचा है। राजस्थान सरकार की जलदाय विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान के दौरान यह कमी सामने आने पर क्षेत्र के लोगों ने सांसद और केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को जब अवगत कराया गया तो वह खुद भी सुनकर चौंक गए।

हर घर जल योजना से वंचित लोग

दरअसल, गजेंद्र सिंह शेखावत के निवास पर अणवाणा गांव के निवासी हरदेवराम बिश्नोई के साथ एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा था। उन्होंने बताया कि बावड़ी में एक अणवाणा नाम के गांव में जल जीवन मिशन के तहत किसी प्रकार पानी के कनेक्शन नहीं किए गए हैं। इस गांव के लोग आज भी हर घर जल जैसी सुविधा से लोग वंचित हैं।

मंत्री शेखावत ने लगाई फटकार

शिकायत के तुरंत बाद मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मामले को संज्ञान में लिया और जलदाय विभाग के चीफ इंजीनियर को तुंरत फोन लगाया। इस दौरान मंत्री ने इंजीनियर को फटकार लगाते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि संबंधित एईएन और एक्सइएन को घर भेजो तब अपने आप वह ठीक हो जाएंगे। तुरंत प्रभाव से इस मामले समाधान करे।

पार्टी विशेष के लोगों के यहां कनेक्शन

शिकायत लेकर पहुंचे हरदेवराम बिश्नोई ने कहा कि गांव के प्रतिनिधि के साथ आज हम लोगों ने शेखावत साहब से मुलाकात की। उन्होंने हमारे सामने ही चीफ इंजीनियर से बात की और हमें आश्वस्त किया। हरदेवराम बिश्नोई का आरोप है कि किसी व्यक्ति विशेष और पार्टी विशेष के यहां कनेक्शन करने का काम जरूर किया गया। उसके अलावा बाकी लोगों को इससे वंचित रखा गया।

राहुल गांधी की वियतनाम यात्रा पर बीजेपी ने फिर उठाए सवाल

नई दिल्ली। नेता विपक्ष राहुल गांधी की वियतनाम यात्रा पर बीजेपी ने सवाल उठाया है। पार्टी ने पूछा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता को उस देश के लिए अपने लगाव को लेकर सफाई देनी चाहिए। बीजेपी ने कहा है कि राहुल गांधी अपने चुनाव क्षेत्र से अधिक समय वियतनाम में बिता रहे हैं। वहीं कांग्रेस ने इस पर पलटवार करते हुए कहा है कि राहुल गांधी व्यक्तिगत रूप से किसी भी देश की यात्रा कर सकते हैं। पार्टी ने बीजेपी पर राहुल गांधी की यात्राओं का राजनीतिककरण करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने इससे पहले दिसंबर के अंतिम हफ्ते में वियतनाम की यात्रा की थी.उस समय पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन की वजह से देश शोक में डूबा हुआ था।

बीजेपी ने राहुल गांधी से क्या पूछा है

बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इसमें उन्होंने कहा, "राहुल गांधी कहां हैं? मैंने सुना है कि वे वियतनाम गए हैं." प्रसाद ने कहा कि गांधी नए साल के दौरान भी दक्षिण-पूर्व एशियाई देश में थे, उन्होंने दावा किया कि उन्होंने वहां लगभग 22 दिन बिताए थे। उन्होंने कहा कि इतने दिन तो वे अपने चुनाव क्षेत्र में भी नहीं बिताते हैं। क्या कारण है कि वो वियतनाम की इतनी यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और उन्हें भारत में होना चाहिए।

बीजेपी के इस वरिष्ठ नेता ने कहा, "राहुल गांधी को वियतनाम के प्रति अपने असाधारण लगाव के बारे में बताना चाहिए। उस देश की उनकी यात्राओं की आवृत्ति बहुत ही उत्सुकता पैदा करने वाली है."

निशाने पर क्यों है राहुल गांधी की विदेश यात्रा

बीजेपी राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लंबे समय से निशाना बनाती रही है। बीजेपी ने उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में पेश करने की कोशिश करती है, जिसकी राजनीति में रुची नहीं है। वह उन्हें राजनीति के लिए अयोग्य बताने की कोशिशें करती रहती है। बीजेपी की इस कोशिश पर कांग्रेस ने बीजेपी पर राहुल गांधी के निजी दौरों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने कहा है कि एक व्यक्ति के रूप में उन्हें विदेश यात्रा करने का अधिकार है।

राहुल गांधी इससे पहले पिछले साल 26 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता मनमोहन सिंह के निधन के बाद भी वियतनाम की यात्रा पर गए थे। उस समय देश मनमोहन सिंह के निधन पर राष्ट्रीय शोक मना रहा था। उस समय भी बीजेपी ने उनकी यात्रा की आलोचना की थी। बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने उस समय कहा था कि जब देश सिंह के निधन पर शोक मना रहा था, तब गांधी नए साल का जश्न मनाने के लिए वियतनाम गए थे। मालवीय ने राहुल गांधी पर मनमोहन सिंह की मौत का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था,"गांधी और कांग्रेस सिखों से नफरत करते हैं। ये कभी नहीं भूलना चाहिए कि इंदिरा गांधी ने दरबार साहिब को अपवित्र किया था।"

वहीं बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा था कि राहुल गांधी ने लीडर ऑफ ओपोजिशन का मतलब बदलकर 'लीडर ऑफ पार्टी' और 'लीडर ऑफ पर्यटन' कर दिया है। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी और पार्टी और 'विदेशी पर्यटन' कोई नई बात नहीं है। जब मुंबई में 26/11 का हमला हुआ था, तब भी राहुल गांधी पूरी रात पार्टी कर रहे थे।

14,010 करोड़ की लागत से बनेगा 342 KM लंबा एक्सप्रेस-वे

जयपुर। आने वाले 2 साल में ब्यावर से भरतपुर तक एक्सप्रेस-वे का काम शुरू होने की उम्मीद है। पिछले बजट में राज्य सरकार की ओर से घोषित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे निर्माण की कार्रवाई अब शुरू हुई है। ब्यावर से भरतपुर तक 342 किलोमीटर का एक्सप्रेस बनाने के लिए नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया को जिम्मेदारी दी गई है। इसी साल जनवरी में डीपीआर के लिए हरी झंडी मिलने के बाद सर्वे कार्य शुरू हो गया है।

Jaipur Metro। जयपुर में इन 5 जगह दौड़ेगी मेट्रो, कवायद हुई तेज, लाखों लोगों को मिलेगा फायदा

ब्यावर-गोमती हाइवे निर्माण कर रहे एनएचएआई को डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके लिए 18 महीने का समय दिया गया है।

ब्यावर से भरतपुर तक हाइवे निर्माण को सर्वे होगा और अनुमानित लागत के बाद बजट मिलेगा और सड़क निर्माण की क्रियान्विति शुरू हो सकती है। गौरतलब है कि पिछले साल राज्य के बजट में राजस्थान में नौ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे निर्माण की घोषणा हुई।

'भारतमाला परियोजना' के तहत देश में अब तक 19,826 किलोमीटर सड़क का हुआ निर्माण

नई दिल्ली। भारतमाला परियोजना के तहत देश में 26,425 किलोमीटर राजमार्ग निर्माण के कॉन्ट्रैक्ट दिए गए हैं, जिनमें से अब तक 19,826 किलोमीटर राजमार्ग निर्माण का काम पूरा हो चुका है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस सप्ताह की शुरुआत में लोकसभा को एक लिखित उत्तर में बताया कि भारतमाला परियोजना का उद्देश्य देश में लॉजिस्टिक्स दक्षता और कनेक्टिविटी में सुधार करना है। परियोजना का उद्देश्य आदिवासी, पिछड़े और वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना, राजमार्गों पर दुर्घटनाओं को कम करना और सुरक्षित परिवहन नेटवर्क स्थापित करना है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजमार्ग निर्माण में ऑटोमेटेड और इंटेलिजेंट मशीन-एडेड कंस्ट्रक्शन (एआई-एमसी), एलआईडीएआर और ड्रोन-आधारित एनालिटिक्स जैसी कई स्मार्ट तकनीकों को अपनाया जा रहा है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भारतमाला परियोजना के हिस्से के रूप में लगभग 46,000 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ 35 मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) का एक नेटवर्क बनाने की योजना बनाई है, जो एक बार चालू होने के बाद लगभग 700 मिलियन टन कार्गो को संभालने में सक्षम होगा। इसमें से 15 प्राथमिकता वाले स्थानों पर एमएमएलपी को लगभग 22,000 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ बनाया जाएगा।

आधिकारिक बयान के अनुसार, देश में सभी चालू बंदरगाहों तक आसानी से पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक बंदरगाह कनेक्टिविटी मास्टर प्लान बनाया है। इसके लिए लगभग 1,300 किलोमीटर लंबाई की 59 महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का चयन किया गया है, जिन्हें लागू किया जाएगा।

पैन कार्ड के बाद अब वोटर आईडी भी आधार से होगी लिंक

-चुनाव आयोग की 18 मार्च को बैठक

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 18 मार्च को गृह सचिव, लॉ सेक्रेटरी और आधार कार्ड बनाने वाली एजेंसी भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के सीईओ से मुलाकात करेंगे. इस बैठक में आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को लिंक करने पर बातचीत की जाएगी। यह पहली बैठक है, जब चुनाव आयोग डुप्लीकेट एपिक नंबर को लेकर इस तरह की बैठक कर रहा है।

इसके साथ ही देश के सभी जिला चुनाव अधिकारी को राजनीतिक पार्टियों के साथ बैठक करने को भी कहा गया है. करीब 800 जिलों में 5000 से ज्यादा बैठक राजनीतिक दलों के साथ किए जाएंगे, जिसकी रिपोर्ट 31 मार्च तक चुनाव आयोग को सौंपना है।

इससे पहले तृणमूल कांग्रेस ने डुप्लीकेट एपिक नंबर के मुद्दे को उठाया था, जिसे कई और राजनीतिक पार्टियों ने भी उठाया है।

इसके बाद तृणमूल कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल आयोग से भी मिला था। बीजेपी, कांग्रेस और आप समेत कई पार्टियां वोटर लिस्ट में फर्जीवाड़े और फेक वोटर का मुद्दा उठा चुकी है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,